





## संक्षिप्त समाचार

## टीसीएस के बाद अब विप्रो में धर्मांतरण का आरोप

## पीड़िता बोली-कर्मचारी ने इस्लाम अपनाने का दबाव बनाया

पुणे (एजेंसी)। पुणे की एक महिला ने विप्रो टेक्नोलॉजीज कंपनी पर धार्मिक उत्पीड़न, कार्यस्थल पर भेदभाव और जबरन इस्लामीकरण दिलाने के आरोप लगाए हैं। महिला पहले इस कंपनी में काम करती थी। ये आरोप पुणे में हिंदू



● ऑफिस में इस्लाम अपनाने का दबाव दिया जाता था- पीड़ित महिला ने आरोप लगाया कि उसकी एक महिला सहकर्मी कई बार उस पर इस्लाम अपनाने और एक मुस्लिम पुरुष के साथ संबंध बनाने का दबाव डालती थी। उसका कहना है कि सहकर्मी बार-बार उसकी निजी जिंदगी में दखल देती थी और उसे हिंदू धर्म छोड़ने के लिए कहती थी।

जनजागृति समिति द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लगाए गए। इस दौरान पूर्व कर्मचारी ने उन घटनाओं के बारे में बताया, जो उसके साथ उस समय हुई थीं जब वह हिजवडी ऑफिस में काम करती थी। इसके बाद पुणे के हिजवडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पूर्व कर्मचारी के वकील ने बताया कि कंपनी को कानूनी नोटिस भी भेजा गया है। उन्होंने 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है। पीड़ित महिला ने कहा- अगस्त 2025 में यह हुआ।

## बंगाल में ममता के सामने अब पहचान का संकट!

## सबसे मुश्किल दौर में पार्टी, बागी गुट ने किया खेल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में टीएमसी विधायक दल में टूट के बाद भी राजनीतिक उठापटक बाकी है। टीएमसी के बागी 60 विधायकों को विधानसभा में विपक्षी दल की मान्यता मिल गई है। विधानसभा अध्यक्ष रतींद्रनाथ बोस



● बंगाल में महाराष्ट्र पार्टी-2 दोहराया जा रहा है-बंगाल विधानसभा में टीएमसी में टूट के बाद ममता बनर्जी और पार्टी का भविष्य स्पष्ट नहीं है। संजय राउत समेत कई विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया है कि पश्चिम बंगाल में महाराष्ट्र के ऑपरेशन लोटस को दोहराया जा रहा है। विधानसभा में ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष का पद देने पर भी टीएमसी के नेताओं ने सवाल उठाए हैं। कुणाल ने कहा है कि पार्टी से निकाले गए नेता को नेता कैसे बना सकते हैं।

ने ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष का दर्जा देते हुए ऑफिस की चाबी भी दे दी। टीएमसी पार्टी की ओर से नियुक्त शोभनदेव भट्टाचार्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के ऑफिस के लिए धरना दे रहे थे। पार्टी में टूट के बाद मायूसी ही उनके हाथ लगी। अब असली तुषारमूल और नकली टीएमसी की लड़ाई शुरू होगी, जिस पर आखिरी फैसला विधानसभा अध्यक्ष को ही करना है।

## समुद्र में बढ़ेगी भारत की और ज्यादा ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना इस महीने अपने बेड़े में पांच स्वदेशी हथियार को शामिल करने की तैयारी कर रही है। इनमें दो प्रोजेक्ट 17ए स्टील्थ फ्रिगेट, सर्वेक्षण पोत और दो पनडुब्बी रोधी युद्धक विमान शामिल हैं। मेड इन इंडिया के तहत बने ये जहाज समुद्री सुरक्षा, युद्ध तत्परता और तटीय रक्षा



को काफी मजबूत करेंगे। ये इंडक्शन परिशोधित नौसैनिक ताकत को देश के भीतर ही डिजाइन और निर्माण करने की भारत की बढ़ती क्षमता को दर्शाते हैं।

## हिंद महासागर में चीन को टक्कर

भारतीय नौसेना वर्तमान में लगभग 130 से 140 जहाजों का संचालन करती है और हर 40 दिनों में अपने रोस्टर में स्वदेशी युद्धपोतों या पनडुब्बियों को जोड़ रही है। यह प्रस्तावित बेड़ा विस्तार 2035 तक 200 युद्धपोतों और पनडुब्बियों के साथ एक मजबूत नौसेना बनाने के सरकार के विजन का हिस्सा है। ये नए जहाज नौसेना को चीनी नौसेना की बढ़ती उपस्थिति के खिलाफ हिंद महासागर क्षेत्र में अपना दबदबा स्थापित करने और अपने समुद्री पदचिह्न को बढ़ाने में मदद करेंगे।



## भोपाल में सिरफिरे आशिक का खौफनाक कदम

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल के छेला मंदिर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले शंकर नगर इलाके में मंगलवार एक्स गलफ्रेंड को सरराह रोकर उस पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए

चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। आरोपी ने युवती को संभलने तक का मौका नहीं दिया और उसके चेहरे, गर्दन, पीठ और हाथों पर एक के बाद एक कई वार किए। घटना के बाद से ही पूरे इलाके में भारी दहशत का माहौल है। जब बीच सड़क पर चीख-पुकार मची, तो पीड़िता की सगी बहन उसे बचाने के लिए दौड़कर मौके पर पहुंची। सिर पर सवार खून के चलते बखेड़ा आरोपी ने उस पर भी हमला कर दिया और चाकू मारकर उसका गाल चीर दिया।

## बड़ा झटका! बीजेपी से अलग होंगे अन्नामलाई

जल्द कर सकते हैं ऐलान, तमिलनाडु में इस्तीफों का दौर शुरू



चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी को झटका लगा है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। सियासी गलियारों में हलचल इस बात को लेकर बढ़ गई है कि वह जल्द कोई बड़ी घोषणा कर सकते हैं। इस बात की जोरदार चर्चा है कि अन्नामलाई जल्द ही एक नई पार्टी या आंदोलन की घोषणा कर सकते हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि वह बीजेपी से अलग होकर अपनी एक स्वतंत्र राजनीतिक जमीन तैयार करने की योजना बना रहे हैं। आपको बता दें कि 2 जून को अन्नामलाई ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इस बैठक के बाद कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया, लेकिन सूत्रों के मुताबिक बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें फिलहाल अपना इस्तीफा रोकने के लिए कहा है। इससे पहले ऐसी खबरें आई थीं कि अन्नामलाई को राष्ट्रीय सचिव बनाया जा रहा है।

## अधर में है अन्नामलाई का सियासी सफर?

पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई का राजनीतिक भविष्य उस समय से अधर में लटक हुआ नजर आ रहा है जब बीजेपी ने उन्हें हटाकर नैनार नागेंद्रन को तमिलनाडु का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त कर दिया। इसके साथ ही बीजेपी ने साल 2026 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़म के साथ अपने पुराने गठबंधन को दोबारा जीवित कर लिया। पार्टी के इस फैसले के बाद से ही अन्नामलाई हासिए पर चल रहे हैं। इन अटकलों को खुद अन्नामलाई के एक बयान ने और हवा दे दी है। हाल ही में उन्होंने मीडिया से कहा था कि वह अगले दो दिनों में अपनी स्थिति साफ करेंगे। दिल्ली रवाना होने से पहले उन्होंने कहा था, कृपया थोड़ा इंतजार करें। हम दो दिनों में एक साथ बैठेंगे और विस्तार से बात करेंगे।

## प्रदेश में प्री-मानसून का असर, 29 जिलों में बारिश

बारिश के चलते पारा 5 डिग्री लुढ़का; 18.8 डिग्री टेंपरेचर के साथ पचमढ़ी सबसे ठंडा

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून की दस्तक भले ही 20 जून के बाद होने की संभावना है, लेकिन उससे पहले प्री-मानसून गतिविधियां पूरे प्रदेश में सक्रिय हैं। 24 घंटे के दौरान 29 जिलों में आंधी, बारिश और कुछ स्थानों पर ओले गिरे। श्योपुर में सबसे अधिक करीब पौने 2 इंच बारिश हुई, जिससे कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। राजधानी भोपाल में रातभर बारिश का दौर चला। गुरुवार सुबह भी कई क्षेत्रों में बूंदबांदी हुई। मंडला में पौन इंच बारिश दर्ज की गई, जबकि भोपाल, नर्मदापुरम और राजगढ़ में करीब आधा इंच पानी गिरा। मौसम विभाग के अनुसार गुना, दमोह, सागर, उमरिया, मलाजखंड, रायसेन, सोहोर, शाजापुर, विदिशा और मैहर समेत कई जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। इसके अलावा बैतूल, हरदा, पन्ना, छतरपुर, निवाड़ी, रीवा, धार, बड़वानी, बुरहानपुर, मुरैना, अशोकनगर, जबलपुर, नरसिंहपुर और शहडोल में भी वर्षा दर्ज की गई। भोपाल में कुछ स्थानों पर ओले गिरने की भी सूचना है।

22 जिलों में आंधी और बारिश का

अलर्ट- इधर मौसम विभाग ने भोपाल समेत 22 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार इन जिलों में 40 किलोमीटर प्रतिघंटा या उससे अधिक रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। अलर्ट वाले जिलों में श्योपुर, मुरैना, गुना, अशोकनगर, नीमच, मंदसौर, राजगढ़, भोपाल, विदिशा, रायसेन, सोहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, नरसिंहपुर, सागर, रीवा, सीधी, सिंगरौली, छतरपुर और दमोह शामिल हैं। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ और अन्य मौसमी प्रणालियों के सक्रिय रहने से अगले कुछ दिनों तक प्रदेश में प्री-मानसून गतिविधियां जारी रहेंगी।

## भोपाल में 70किमी की रफ्तार से चली आंधी-बारिश, ओले गिरे, 200 से ज्यादा जगह पेड़-टहनियां गिरीं, 300 बिजली फीडर पर असर



मध्य प्रदेश में प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो गई हैं। राजधानी भोपाल में गुरुवार शाम करीब 70 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चली और तेज बारिश हुई। आंधी से शहर में 200 से अधिक स्थानों पर पेड़ और टहनियां गिर गईं, जिससे कई प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित हुआ। वहीं, बिजली व्यवस्था को भी बड़ा नुकसान पहुंचा है। करीब 300 बिजली फीडर पूर्ण या आंशिक रूप से प्रभावित हुए हैं, जिससे कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। दूसरी ओर शाजापुर में ओलावृष्टि हुई, जबकि सीहोर के इलाखर में झमाझम बारिश दर्ज की गई। पिछले 24 घंटे में प्रदेश के 29 जिलों में आंधी और बारिश हुई। श्योपुर में सबसे ज्यादा करीब पौने 2 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। भोपाल, नर्मदापुरम और राजगढ़ में भी अच्छी बारिश हुई है।

## अब बिहार के हॉस्पिटल में आग, 5 लोगों की मौत

## कुछ मरीजों के गायब होने पर लोगों का जमकर हंगामा ● पुलिस बोली-दूसरे अस्पताल में हैं

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। बिहार के मुजफ्फरपुर में एक प्राइवेट अस्पताल के आईसीयू में आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 20 से ज्यादा लोग झुलस गए। हार्टस बुधवार रात करीब 3 बजे हुआ। आग शॉर्ट सर्किट से लगी। इसके बाद आईसीयू में लगे एसी में ब्लास्ट हुआ। इसकी वजह से आग तेजी से फैली। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड अस्पताल पहुंची और आग पर काबू पाया। लोगों ने मौके से स्टाफ के गायब होने का आरोप लगाया। परिजन अपने मरीजों को मरीज के परिजन हंगामा कर रहे हैं।



स्ट्रेचर से बाहर ले जाते दिखे। आईसीयू वार्ड 5वीं फ्लोर पर है, जिसकी वजह से रेस्क्यू में दिक्कत आई। दमकलकर्मियों ने आईसीयू और अस्पताल के दूसरे वार्डों में फंसे मरीजों को खिड़कियों और दरवाजे तोड़कर बाहर निकाला। चार मृतकों की पहचान हो गई है, जिनमें, गीता देवी, चंचला कुमारी, 57 साल के उदय कुमार, 30 साल के शशांक कुमार शामिल हैं। एक की पहचान नहीं हो पाई है। वहीं, हादसे के बाद प्रसाद हॉस्पिटल से कई मरीज गायब बताए जा रहे हैं। इसे लेकर

## टीएमसी में बगावत, कांग्रेस-डीएमके की दूरी

## बीजेपी के लिए संसद में आसान होगी दो तिहाई बहुमत की राह

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभी कुछ ही समय पहले तक ऐसा लग रहा था कि एक एकजुट विपक्ष केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी विधायी एजेंडे और उसके राजनीतिक नैरेटिव को पटरी से उतार सकता है। पिछले सत्र में लोकसभा के भीतर महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़े सरकारी विधेयक की हार ने विपक्ष के इस हौसले को और मजबूत किया था। लेकिन अब संसद के भीतर और बाहर भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए आगे की राह बेहद आसान नजर आ रही है। इसकी मुख्य वजह यह है कि भाजपा के दो सबसे मजबूत क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक इस समय बड़े



राजनीतिक संकटों और चुनौतियों से जूझ रहे हैं। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी इस समय अपने राजनीतिक इतिहास के सबसे बड़े अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है। पार्टी के कुल 80 विधायकों में से 58 बागी विधायकों के एक गुट ने ममता बनर्जी की पसंद के विपरीत

ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता चुन लिया है। साल 1998 में ममता बनर्जी द्वारा पार्टी की स्थापना किए जाने के बाद से यह टीएमसी में अब तक का पहला औपचारिक विभाजन है। भर्तोज के खिलाफ गुस्सा- टीएमसी के एक सांसद ने नाम न छपाने की शर्त पर बताया कि यह पूरा विद्रोह अभिषेक के खिलाफ है।

## डीएमके और कांग्रेस में दूरी

दक्षिण भारत में भी विपक्ष का गणित पूरी तरह बिगड़ चुका है। तमिलनाडु में कांग्रेस ने अपने पुराने और भरोसेमंद साथी द्रमुक का हाथ छोड़कर सुपरस्टार से नेता बने विजय की नई पार्टी टीवीके से हाथ मिला लिया है। इस घोषणे के बाद डीएमके अब केंद्र सरकार के प्रति अपनी पारंपरिक और स्वाभाविक शत्रुता को छोड़कर एक व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने पर विचार कर रही है। भाजपा खेमे का मानना है कि राज्य के नए एसीकरणों के कारण अब डीएमके केंद्र के साथ टकराव के बजाय सहयोग का रास्ता चुन सकती है।

## सरकार के लिए गेमचेंजर साबित होगी यह स्थिति

हाल ही में हुए लोकसभा के घटनाक्रम को देखें तो यह कांग्रेस के साथ तीन बड़े क्षेत्रीय दलों समाजवादी पार्टी, टीएमसी और द्रमुक का एक साथ आना ही था, जिसने लोकसभा में सरकार के संविधान संशोधन विधेयक को गिरा दिया था। इन दलों के पास कुल 185 सांसद थे, जो सदन की कुल संख्या का एक-तिहाई से अधिक थे। टीएमसी के बिखराव और कांग्रेस से नाराज चल रही डीएमके के कारण भाजपा 2024 के चुनावों के बाद पहली बार विपक्ष की आपसी फूट का फायदा उठाने की सबसे मजबूत स्थिति में है। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी तेज है कि विपक्ष के कमजोर और बिखरे होने के बाद अब मोदी सरकार अपने सबसे महत्वाकांक्षी एजेंडे जिसमें एक राष्ट्र, एक चुनाव शामिल है, को नए उत्साह और ताकत के साथ संसद में आगे बढ़ाने की तैयारी कर रही है।

## शिवपुरी में रीलस के चक्र में हवालात पहुंचे दो युवक

## मगरमच्छ को टॉचर किया फिर पूंछ पकड़कर पानी में फेंका

शिवपुरी (नप्र)। आजकल सोशल मीडिया पर व्यूज और लाइक्स पाने के लिए लोग किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं, लेकिन मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के पिछोर क्षेत्र में दो युवकों को ऐसा करना बेहद भारी पड़ गया। सोशल मीडिया पर वायरल होने के लिए मगरमच्छ के साथ खतरनाक वीडियो बनाने वाले दो युवकों को वन विभाग ने स्पेशल टास्क फोर्स की मदद से हिरासत में ले लिया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। मगरमच्छ की पूंछ पकड़कर पानी में फेंका यह पूरा मामला ग्राम पंचायत गेरेटा का है। यहां के रहने वाले सुखदेव केवट (21 वर्ष) और तोरण आदिवासी (20 वर्ष) ने 29 और 30 मई के बीच एक वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। वीडियो में दोनों युवक एक मगरमच्छ की पूंछ पकड़कर उसे बेरहमी से हवा में घुमाते और फिर उतकर पानी में फेंकते नजर आ रहे हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि पूरे

## मगरमच्छ की मौत की आशंका, जांच जारी

वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होते ही वन विभाग की टीम अलर्ट मोड पर आ गई। त्वरित कार्रवाई करते हुए 2 जून को दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, फिलहाल दोनों को जमानत मिल चुकी है, लेकिन मामले की जांच की आंच अभी ठंडी नहीं हुई है। वन विभाग को शक है कि वीडियो बनाने के दौरान या उससे पहले मगरमच्छ की मौत हो चुकी थी। यह इलाका मातालीला डैम के बैकवॉटर से जुड़ा है, जहां ग्रामीण अक्सर बिजली का करंट लगाकर अंधेचूरी से मछलियां पकड़ते हैं। आशंका है कि करंट की चपेट में आने से ही मगरमच्छ की जान गई होगी।

वीडियो में मगरमच्छ के शरीर में कोई हलचल दिखाई नहीं दे रही है और उसके पेट के पास खून जैसा लाल निशान भी नजर आ रहा है।

# राजधानी में 3 दिन से बूंद-बूंद को तरस रहे लाखों लोग

## आधे भोपाल में पानी बंद, कोलार पाइपलाइन की मरम्मत अटकी

**भोपाल(नप्र)।** राजधानी के लोगों को पानी की सप्लाई देने वाली सबसे मुख्य कोलार पाइपलाइन की मरम्मत का काम बुधवार की डेडलाइन बीत जाने के बाद भी पूरा नहीं हो पाया है। इसके चलते राजधानी भोपाल में पानी की भारी किल्लत खड़ी हो गई है।

भोपाल नगर निगम ने मंगलवार सुबह 10 बजे आपातकालीन मरम्मत के लिए इस सप्लाई को बंद किया था। शुरुआत में इसे 36 घंटे का शटडाउन बताया गया था, लेकिन अब यह समय सीमा पार हो चुकी है और शहर के एक बड़े हिस्से में लोग लगातार तीसरे दिन पानी को लिए तरस रहे हैं।



(सभी फोटो प्रवीण वाजपेई)

### टैंकरों के भरोसे जनता, लो-प्रेशर ने बढ़ाई मुसीबत

अस्थायी राहत के तौर पर नगर निगम सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में पानी के टैंकर भेजने का दावा कर रहा है। लेकिन जमीन पर स्थिति यह है कि कई मोहल्लों में पानी का प्रेशर बहुत कम है और लीकेज की वजह से लोगों तक जरूरत का पानी नहीं पहुंच पा रहा है। लोग घरों में जमा पानी को बेहद कम खर्च कर रहे हैं और टैंकरों के आने का इंतजार करने को मजबूर रहे हैं।



### भोपाल की 37 प्रतिशत आबादी पर सीधा असर

साल 2021 में शहर की 40 साल पुरानी जर्जर लाइन को हटाकर इस नई कोलार पाइपलाइन को डाला गया था, जो नए और पुराने भोपाल के पानी के सिस्टम की रीढ़ है। अकेले इस पाइपलाइन से भोपाल की राजधानी की 37 फीसदी पानी की जरूरत पूरी होती है। इसके बंद होने से शाहजहाँनाबाद, निशातपुरा, हमीदिया रोड, मोती मस्जिद, शाहपुरा, त्रिलंग, अररा कॉलोनी, तुलसी नगर, शिवाजी नगर, चार इमली, चूना भट्टी, कोटय सुल्तानाबाद, एमपी नगर और गुलमोहर कॉलोनी जैसे वीआईपी और रिहायशी इलाकों की रफ्तार पूरी तरह धम गई है।

## बिल को नियंत्रण करने की चाबी अब आपके पास

**भोपाल।** बिल ज्यादा आने के कारण आप अक्सर स्मार्ट मीटरों या बिजली कंपनी को कोसते हैं। वास्तविकता यह है कि उपकरणों के ज्यादा उपयोग से बिजली का बिल ज्यादा आता है। यदि आप थोड़ी सी सावधानी बरतें तो बिल ज्यादा आने की आपकी चिंता बड़ेगी नहीं। आप चाहें तो अपने बढ़ते बिल को नियंत्रण में रख सकते हैं। बस आपको अपनी आदतों में बदलाव करना होगा। एक ऑकलन के अनुसार अधिकांश शहरवासी रिमोट चालित विद्युत उपकरणों को 'स्टैंडबाय' मोड पर छोड़ देते हैं, जिससे उपकरण तो बंद हो जाते हैं परन्तु इनमें सतत विद्युत प्रवाहित होती रहती है। अररा कॉलोनी के एक रिटायर्ड अधिकारी के घर का बिल हर महीने मात्र 500 से 1500 रुपये के बीच आता है चूँकि वे रिमोट से चलने वाले उपकरणों को स्टैंडबाय मोड में नहीं छोड़ते। यदि आप रिमोट से चलने वाले उपकरणों को स्विच ऑफ नहीं करते हैं और रिमोट से बंद करके उपकरणों को छोड़ देते हैं तो बिजली की खपत बढ़ जाती है, जिससे बिल बढ़ जाता है। एक सर्वे के अनुसार 70 फीसदी लोग टी.वी. रिमोट से ही ऑन-ऑफ करते हैं बजाय मेन स्विच से, जिससे टी.वी. ऑफ होने के बावजूद भी पावर सप्लाई चालू रहती है। इससे 21 इंच के टी.वी. में 15 वाट का करंट निरन्तर प्रवाहित होता रहता है एवं आपके मीटर को आगे बढ़ाता रहता है, जिसके कारण इन 70 फीसदी लोगों को हर महीने लगभग 200 रुपये और हर साल 1500 रुपये का अतिरिक्त भार सहना पड़ता है। इलेक्ट्रिशियन की सलाह के अनुसार एक व्यवसायी द्वारा 1200 वाट क्षमता के एलईडी बल्ब अपने घर में लगाने के लिए खरीद लिए। इसी प्रकार एलईडी

### हर महीने लगभग 75 रूपए की चपत

म्यूजिक सिस्टम, टी.वी., ए.सी., कम्प्यूटर आदि स्टैंडबाय मोड पर 5 से 15 वाट तक बिजली की खपत करते हैं। अगर महीने भर भी टी.वी. बंद रहे जब भी 15 वाट के हिसाब से एक दिन में 0.36 यूनिट व 30 दिन में 10.8 यूनिट बिजली खर्च होती है।

ट्यूबलाइट एवं ऊर्जा दक्ष पंखे लगा लिए तो उनके घर में बिजली की 30 प्रतिशत तक बिजली बचत हुई। बिजली विशेषज्ञों के अनुसार अब तो एल.ई.डी. जैसे उपकरण बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं, उनके उपयोग से और अधिक बिजली की बचत और ज्यादा रोशनी प्राप्त हो सकती है।

**कम्प्यूटर-** कम्प्यूटर के माइनर एवं कापीअर्स को स्लीप मोड में रखने से लगभग 40 प्रतिशत ऊर्जा की बचत होती है। एलईडी माइनर का प्रयोग करें यह पारंपरिक सी.आर.टी. माइनर की तुलना में कम ऊर्जा खर्च करता है। यदि कम्प्यूटर को चालू रखना आवश्यक हो तो माइनर अवस्था बंद रखें जो कि कुल ऊर्जा का 50 प्रतिशत से अधिक खर्च करता है। यदि एक कम्प्यूटर 24 घंटे चालू रखा जाए तो यह एक ऊर्जा दक्ष फ्रिज से अधिक विद्युत खर्च करता है। अतः उपयोग न होने पर कम्प्यूटर बंद रखें।

**एलईडी बल्ब-** वर्तमान में एलईडी बल्ब ऊर्जा बचत हेतु अतिउत्तम विकल्प है क्योंकि इनका उपयोग करके हम बिजली की बचत कर सकते हैं। एलईडी बल्ब बार-बार चालू/बंद करने से उनकी उम्र पर असर नहीं पड़ता है जबकि साधारण बल्ब जल्दी ही प्यूज हो जाता है।

## मॉनसून में उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति के सभी प्रबंध करें

### मध्य क्षेत्र कंपनी के निर्देश- अनुमति उपरांत ही मुख्यालय छोड़ें कार्मिक

**भोपाल।** मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के 16 जिलों में विद्युत आपूर्ति और ऑपरेशन एंड मंटेनेंस से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे नियंत्रणकर्ता अधिकारी से अनुमति लेकर ही कार्यस्थल / मुख्यालय छोड़ें। इस आशय के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि प्री-मॉनसून बारिश को बीछरें शुरू हो गई हैं और अनेक बार आंधी और चक्रवाती तूफान और प्राकृतिक आपदा को देखते हुए कंपनी के मैदानी अफसरों से कहा गया है कि वे विद्युत आपूर्ति और रखरखाव तथा ऑपरेशन को देखते हुए सतर्कता और सजगता से काम करें तथा कोई कार्मिक

### बारिश के दौरान इन बातों का रखे ध्यान

मॉनसूनी मौसम के दौरान हवा में नमी के कारण करंट लगने की आशंका ज्यादा रहती है। करंट से लोगों की मौत हो जाती है। लेकिन ज्यादातर मौतों को टाला जा सकता है। ज्यादातर मौतें घरों में अर्थिंग नहीं होने या कमजोर अर्थिंग की वजह से होती है। अर्थिंग या तो स्थानीय स्रोत से प्राप्त की जा सकती है या घर पर ही गहरा गड्ढा खोदकर खुद बनाई जा सकती है।

अवकाश पर जाता है तो उसके स्थान पर वैकल्पिक कार्मिक की तैनाती की व्यवस्था पहले से ही करें। कंपनी ने कहा है कि गत वर्षों में पूरे जून माह की शिकायतों के आकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि इस दौरान कॉल सेंटर में एफओसी (विद्युत अवरोध) से संबंधित उपभोक्ताओं की व्यक्तिगत शिकायतों की संख्या बढ़ जाती है। इसलिए कॉल सेंटर के ऑपरेशनल एवं सुपरवाइजर स्टाफ को और

अधिक सजगता से काम करने के निर्देश दिए गए हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गंभी ने सभी मैदानी कार्मिकों को उपभोक्ताओं को अनवर्त और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में विद्युत आपूर्ति बहाल रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। किसी भी आकस्मिक स्थिति में उपभोक्ता

कंपनी के कॉल सेंटर नंबर 1912 पर संपर्क कर सकते हैं। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने मैदानी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कहा है कि आपदा के समय संपर्क करने हेतु लाइनमेंट के मोबाइल नंबर आदि की जानकारी अपडेट रखी जाए। मैदानी अधिकारियों से कहा गया है कि वे जिला प्रशासन तथा पुलिस प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों से संपर्क और समन्वय बनाने का काम करें।

### बारिश में बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं से बचने के लिए इन बातों का ध्यान रखें

- घर में अर्थिंग की उचित व्यवस्था का ध्यान रखें।
- हरे रंग के तार को हमेशा याद रखें, इसके बिना कभी बिजली उपकरण का प्रयोग न करें, खास कर जब यह पानी के स्रोत को छू रहा हो। पानी करंट के प्रवाह की गति को बढ़ा देता है, इसलिए नमी वाले माहौल में अतिरिक्त सावधानी रखें।
- दो पिन वाले बिना अर्थिंग के उपकरणों का प्रयोग न करें।
- तीन पिन वाले लग का प्रयोग करते समय ध्यान रखें कि तीनों तार जुड़े हों और पिन खराब न हों।
- तारों को सॉकेट में लगाने के लिए माचिस की तीलियों का प्रयोग न करें।
- किसी भी तार को तब तक न छुएं, जब तक बिजली बंद न कर दी गई हो।
- अर्थिंग के तार को न्यूल्टल के विकल्प के तौर पर प्रयोग न करें।
- सभी जोड़ों पर बिजली वाली टेप लगाएं, न कि सेलेटेप या बेंडेड।
- गीजर के पानी का प्रयोग करने से पहले गीजर बंद कर दें।
- हीटर प्लेट का प्रयोग नंगी तार के साथ न करें।
- घर पर सुखी रबड़ की चप्पलें पहनें।
- घर पर मिनी सर्किट ब्रेकर और अर्थ लीक सर्किट ब्रेकर का प्रयोग करें।
- मेटलिक बिजली उपकरण पानी के नल के पास न रखें।
- खड़ के मेट और रबड़ की टांगों वाले कूलर रैट्ट बिजली उपकरणों को सुरक्षित बना सकते हैं।

### मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश केंद्र बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम

## इंदौर में 6 जून को होगा भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन व्यापार एवं निवेश फोरम 2026

**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश लगातार वैश्विक निवेशकों, उद्योग जगत और अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक समुदाय के लिए आकर्षक निवेश स्थल के रूप में उभर रहा है। इसी क्रम में निवेश, निर्यात और अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक साझेदारियों को नई गति देने के उद्देश्य से 6 जून को इंदौर में भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन व्यापार एवं निवेश फोरम-2026 की बैठक होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मौजूदगी में राज्य सरकार के सहयोग से ग्लोबल इंडिया विजनेस फोरम द्वारा आयोजित इस महत्वपूर्ण फोरम का आयोजन मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम के सहयोग से रैडिसन ब्लू, इंदौर में होगा।

फोरम में लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन क्षेत्र के 15 देशों के वरिष्ठ राजनयिक प्रतिनिधि शामिल होंगे। इनमें विभिन्न देशों के राजदूत, एक उच्चायुक्त और एक महावाणिज्यदूत शामिल होंगे। इनके साथ निवेशक, निर्यातक, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, व्यापार आयुक्त, एमएसएमई क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि और वरिष्ठ शासकीय अधिकारी सहित 350 से अधिक प्रतिनिधि सहभागिता करेंगे। चार प्रमुख



वाणिज्य एवं उद्योग मंडल भी इसमें सहभागिता करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा निवेश संवर्धन और वैश्विक सहभागिता को लेकर किए जा रहे सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के बीच अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। राज्य सरकार उद्योगों के लिए अनुकूल नीतियों, बेहतर अधोसंरचना, तेज निर्णय प्रक्रिया और निवेशक हितों की वातावरण के माध्यम से नए वैश्विक बाजारों तक पहुंच बनाने पर विशेष ध्यान दे रही है। इसी दिशा में यह फोरम भारत और लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन क्षेत्र के देशों के

बीच व्यापार एवं निवेश सहयोग को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण साबित होगा।

मध्यप्रदेश का निर्यात प्रदर्शन भी लगातार मजबूत हुआ है। वर्ष 2025-26 में राज्य से लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन क्षेत्र को लगभग 4,186 करोड़ रुपये का निर्यात दर्ज किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 12.6 प्रतिशत अधिक है। इस निर्यात में फर्मा क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ब्राजील, मैक्सिको और चिली, राज्य के प्रमुख निर्यात बाजारों में शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश की औद्योगिक प्रगति, निवेश संभावनाओं और वैश्विक साझेदारियों को लेकर फोरम से संबंधित करेंगे। कार्यक्रम में भारत एलएसई विशेष संस्करण का विमोचन भी किया जाएगा। मध्यप्रदेश की निवेश क्षमताओं और औद्योगिक अवसरों पर विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। विभिन्न देशों के प्रतिनिधिमंडलों द्वारा निवेश प्रस्तुतियां दी जाएंगी। साथ ही व्यापार एवं निवेश के अवसरों, विनिर्माण क्षेत्र में सहयोग तथा सेवा क्षेत्र में निवेश संभावनाओं पर केंद्रित पैनल होंगे। विनिर्माण क्षेत्र से संबंधित चर्चा में औषधि, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल तथा खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र शामिल रहेंगे।

## हड्डी फेंकने को लेकर विवाद, महिला ने फांसी लगाई

### पति का आरोप- पड़ोसी रिश्तेदार मांस, शराब की बॉटल फेंकते थे, इससे पत्नी परेशान थी

**भोपाल (नप्र)।** भोपाल के अशोका गार्डन इलाके में बुधवार रात 28 वर्षीय महिला ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पति का आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले रिश्तेदारों से लंबे समय से विवाद चल रहा है। उनकी हरकतों से तंग आकर पत्नी ने यह आत्मघाती कदम उठाया।

पत्नी फंदे पर थी, दोनों बच्चे पास में रहे थे- सुंदर नगर निवासी सुनील कुशवाह ने पुलिस को बताया- मैं रात में सुब्जी लेने गया था। 20 मिनट बाद घर लौटा तो कमरे का नजारा देखकर होश उड़ गया। पत्नी जूली फंदे पर लटक रही थी। दोनों मासूम बच्चे पास बैठकर रो रहे थे। एक बच्चे की उम्र 6 महीने और दूसरे की 2 साल है।

पति बोला- आए दिन विवाद



जूली कुशवाह, मृतक

करते थे रिश्तेदार- पति सुनील कुशवाह ने अपने रिश्तेदारों पर आरोप लगाए हैं। सुनील का कहना है कि पड़ोस में रहने वाले रिश्तेदार राजू कुशवाह और उनके परिवार से उनका आए दिन विवाद होता था।

आरोपी आए दिन शराब पार्टी करते थे। मांस खाने के बाद खाली बोटलें और हड्डियां हमारे कमरे के पास फेंक देते थे। इस गंदगी और माहौल की वजह से जूली काफी मानसिक तनाव में रहती थी। उसकी तबीयत भी बिगड़ जाती थी।

कई बार समझाया, लेकिन हरकतें बंद नहीं कीं- कई बार समझाने के बावजूद आरोपियों ने ये हरकतें बंद नहीं कीं। पति के अनुसार, आत्महत्या करने से ठीक पहले भी इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में तीखी बहस हुई थी, जिससे परेशान होकर जूली ने यह कदम उठा लिया।

### पुलिस बोली- कॉमन स्पेस को लेकर था विवाद

अशोका गार्डन थाना प्रभारी अनुपम लाल ने बताया कि अभी परिजनों के विस्तृत बयान दर्ज नहीं किए जा सके हैं। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि जूली और उसके रिश्तेदार एक ही परिसर (कंपाउंड) में रहते थे। दोनों परिवारों के बीच साझा जगह (कॉमन स्पेस) के इस्तेमाल को लेकर विवाद होता था। पुलिस का कहना है कि चूँकि मामला नवविवाहिता से जुड़ा हुआ है, इसलिए कानून के मुताबिक सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

### कांग्रेस विधायक बोले, वाग्देवी के नाम पर नई यूनिवर्सिटी बना लें

भोपाल के ऐतिहासिक बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय का नाम बदलने के प्रस्ताव पर मध्य प्रदेश की राजनीति में सरगामी तेज हो गई है। विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद द्वारा इसका नाम बदलकर वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय करने का प्रस्ताव पारित कर राज्यपाल मंगू भाई पटेल को भेजे जाने के बाद से ही इस पर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। एक तरफ जहां विपक्ष इसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानों के अपमान से जोड़ रहा है, वहीं सरकार इस दिशा में कदम आगे बढ़ाती दिख रही है।



**भोपाल (नप्र)।** भोपाल के बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के नाम परिवर्तन प्रस्ताव को लेकर विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। जमीअत उलमा और एनएसयूआई दोनों संगठनों ने इसे स्वतंत्रता सेनानों के सम्मान के खिलाफ बताते हुए कड़ी आपत्ति जताई है।

जहां जमीअत ने इसे इतिहास से छेड़छाड़ करार दिया, वहीं एनएसयूआई ने इसे विश्वविद्यालय में सामने आ रहे भ्रष्टाचार से ध्यान भटकाने की साजिश बताते हुए सरकार को चेतावनी दी है कि फैसला वापस नहीं लिया गया तो प्रदेशभर में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

जमीअत उलमा ज़िला अध्यक्ष, हाफिज़ इस्माइल बैंग ने कहा कि यह केवल नाम परिवर्तन का मामला नहीं, बल्कि देश के स्वतंत्रता संग्राम के एक बड़े नायक के योगदान को नजरअंदाज करने जैसा है। उन्होंने कहा कि मौलाना बरकतुल्लाह भोपाली ने 1915 में अफगानिस्तान में बनी भारत की

### एनएसयूआई ने कहा- यह सुनियोजित षड्यंत्र

एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय का नाम बदलने की कोशिश एक सुनियोजित षड्यंत्र है, जिसका मकसद विश्वविद्यालय में लगातार सामने आ रहे भ्रष्टाचार के मामलों से ध्यान हटाना है। उन्होंने कहा कि बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय द्वारा फर्जी कॉलेजों को एफिलियेशन देने जैसे गंभीर मामले सामने आए हैं, लेकिन उन पर कार्रवाई करने के बजाय सरकार और प्रशासन नाम बदलकर मुद्दे को दबाने का प्रयास कर रहे हैं।

पहली निर्वासित सरकार में प्रधानमंत्री के रूप में अहम भूमिका निभाई थी। वे गदर पार्टी के संस्थापक सदस्यों में रहे और विदेशी धरती से अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया।

## संपादकीय

## दिल्ली में मौत का होटल !

देश की राजधानी नई दिल्ली के मालवीय नगर के एक दड़बेनुमा होटल में लगी आग से 21 लोगों की जानें चली जाना वास्तव में इंसानी जानों का भ्रष्टाचार की आग में जल जाना है। विडंबना तो यह है कि मरनेवाले अधिकांश लोग इस होटल के पास स्थित बड़े अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती अपने परिवजनों की तीमारदारी के लिए ठहरे हुए थे। इनमें से एक अग्रवाल परिवार के बीमार बुजुर्ग तो यह भी पता नहीं था कि उसकी देखभाल के आए बेटे और उसका पूरा परिवार इस आग में जलकर राख हो गया है। इस भयंकर अग्नि कांड में मरने वाले आधे से ज्यादा वो विदेशी नागरिक थे, जो अपने परिवजनों का इलाज करवाने भारत आए थे। ये सभी गरीब देशों के नागरिक थे, जो भारत में तुलनात्मक रूप से सस्ता इलाज होने के कारण यहां ठहरे थे। इस आगजनी में जो लोग बचाए जा सके, वो होटल के आसपास रहने वाले लोगों की फौरी मदद और जद्दोहद के कारण बच सके। एक गढ़ा व्यापारी ने तो अपनी दुकान के सारे तर्किए होटल के नीचे बिछाने के लिए दे दिए ताकि कम से कम कुछ लोग तो अपनी जान ऊपर से कूटकर बचा सकें। पड़ोसियों ने भी हर संभव मदद कर इंसानियत का परचम ऊंचा रखा। इसकी वजह से आठ लोग अपनी जान बचा सके। इस भयावह अग्निकांड में इस देश में चल रहे 'रामराज' की पील खोलकर रख दी है। हमारे यहां किसी कानून कायदे का कोई मतलब नहीं है। पैसे देकर आप कुछ भी हासिल कर सकते हैं, किसी भी नियम कायदे को ताक पर रख सकते हैं। आपका कहीं कुछ नहीं बिगड़ेगा। इस हादसे में भी जो खुलासे अब हो रहे हैं, जो चौंकाने वाले हैं। मसलन जिस जगह ये होटल ताना गया था, वो रिहाइशी इलाका है और यहां को गलियां इतनी पतली हैं कि चार पहिया गाड़ी अंदर नहीं जा सकती। इसी गली में यह अभिशास होटल फ्लोरिशा स्टे बीएंडबी बना हुआ है। होटल के गिरफ्तार मालिक ने पुलिस के सामने कबूल किया कि उसके पास बेड एंड ब्रेकफास्ट का ही लायसेंस था। होटल का कोई लायसेंस उसके पास नहीं है। उसे शुरू में परमिशन केवल छह कमरों की मिली थी, लेकिन उसने छेटी सी जगह में 25 कमरे तान दिए। आश्चर्य की बात यह है कि पूरी होटल में कहीं से बाहर निकलने का वैकल्पिक मार्ग नहीं था। यहां तक कि खिड़कियां तक पैक कर दी गई थीं। मानों यहां इंसान नहीं, जानवर ठहरे हों। इससे आग को तेजी से फैलने में मदद मिली और होटल में ठहरे यात्रियों के लिए वह काल बन गया। इस होटल के पास अग्नि सेवा का लायसेंस भी नहीं था। होटल के मालिक लवकेश बजाज का बयान तो और भी चौंकाने वाला है। उसे आग लगने की खबर मिल चुकी थी। लेकिन वह लोगों और होटल को बचाने की जगह वहां से भाग गया और दिल्ली की सड़कों पर झूमता रहा। यह तो स्पेक्टनेहीनता की पराकाष्ठा है। पुलिस ने उसके खिलाफ गैरइरादतन हत्या का मामला दर्ज किया। लवकेश ने होटल शायद ठेके पर दे रखा था। होटल का मैनेजर अभी भी फरार है। दिल दहला देने वाला हादसा हो जाने के बाद अब सरकार सक्रिय हुई है। लेकिन व्यवस्था में कोई परिवर्तन होगा, इसकी संभावना नहीं के बराबर है। क्योंकि हलात को बदलने और सुधारने की चिंता किसी को नहीं है। बताया जाता है कि इस इलाके में ऐसे करीब 20 होटल चल रहे हैं, जिन पर इस हादसे के बाद ताले पड़ गए हैं। भ्रष्टाचार के इस खेल में इंसानी जानें जाती रहेंगी और किसी को कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

## पर्यावरणीय समस्याओं का हल समाज के पास



नजरिया

श्याम बोहरे

लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

पर्यावरण के प्रति हमारे नजरिये को 'साई इतना दीजिये जामें कुटुम्ब समाये, में भी भूखा न रहूँ साथु भी भूखा न जाए' से लेकर 'ये दिल मांगे मोर' तक की यात्रा को अलग अलग नजरिये से देखा जा सकता है। समाज का एक वर्ग इसे उपलब्धता, सम्पन्नता और विकास मानकर खुश है, वहीं दूसरे वर्ग के साथी इसे विनाश यात्रा के रूप में देखते हैं। दरअसल, यह मामूली नजर आने वाली बात हमारे राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सोच और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता पर निर्भर करती है कि हम आखिर चाहते क्या हैं? जोश में आकर वन्दे मातरम और भारत माता की जय का नारा लगाते हैं, जोश अच्छे बात है यदि इसमें होश भी शामिल हो जाये तो सोने में सुहगा हो सकता है। वन्दे मातरम में भारत माता की वन्दना करते हैं। वन्दे मातरम, सुजलाम सुफलाम, मलयज शीतलाम, सस्यश्यामलाम मातरम वन्दे मातरम। दूरमदल शोभनीम मातरम वन्दे मातरम। मतलब जहाँ अच्छे और भरपूर जल, खूब अच्छे फल हों; जहाँ मलय पर्वत से; चन्दन हवा यानी ठण्डी हवा बहती हो; ऐसी मातृभूमि की वन्दना करता हूँ। लहलहाती फसलों से ही भरी भूमि की वन्दना करता हूँ। जो वृक्षों के झुण्ड से सुशोभित हो, ऐसी मातृभूमि की वन्दना करता हूँ।

एक तरफ तो नदियों को गंदा करते रहें, बर्बाद करते रहें, वृक्ष काट-काट कर मातृभूमि को उजाड़ते रहें, कारखानों और वाहनों के धुंये से मलयज शीतलाम को जहरीला करते रहें और जोश में वन्दे मातरम का नारा भी लगाते रहें? जबानी जमा-खर्च के लिए कि मातृभूमि की वन्दना और व्यवहार में उसे बर्बाद करते रहना। यह कब तक चलेगा? जिन्हें भी वन्दे मातरम प्रेरित करता है, मातृ भूमि से लगाव है, पहले तो वे इसका मतलब समझें। यदि स्वाथ और लालच से मुक्ति पा सकें तो ही मतलब समझ आयेगा और क्या करना है, वह भी समझ में आ ही जाएगा।

इसी तरह की बात गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने कही है - देश की माटी देश का जल/ हवा देश की देश के फल/ सरस बनें प्रभु सरस बनें/ देश के घर और देश के घाट/ देश के वन और देश के बाट/ सरल बनें प्रभु सरल बनें। देश के तन और देश के मन/ देश के घर और भाई बहन/ विमल बनें प्रभु विमल बनें।

देश की माटी, जल, फल, हवा, सरस कैसे बनेंगे? कौन बनायेगा? यह जानने के लिए क्या किसी भारी-भरकम

एक तरफ तो नदियों को गंदा करते रहें, बर्बाद करते रहें, वृक्ष काट-काट कर मातृभूमि को उजाड़ते रहें, कारखानों और वाहनों के धुंये से मलयज शीतलाम को जहरीला करते रहें और जोश में वन्दे मातरम का नारा भी लगाते रहें? जबानी जमा-खर्च के लिए कि मातृभूमि की वन्दना और व्यवहार में उसे बर्बाद करते रहना। यह कब तक चलेगा? जिन्हें भी वन्दे मातरम प्रेरित करता है, मातृ भूमि से लगाव है, पहले तो वे इसका मतलब समझें। यदि स्वाथ और लालच से मुक्ति पा सकें तो ही मतलब समझ आयेगा और क्या करना है, वह भी समझ में आ ही जाएगा।

वर्कशाप या सेमिनार की जरूरत है? यदि नहीं तो फिर क्यामत का इंतजार किस खुशी में किया जा रहा है? जाहिर है इन सभी सदृच्छओं के अनुकूल नीति, योजना, कार्यक्रम बनाने का काम करना होगा। ऐसी नीति और कार्यक्रम बनाने के लिए कुदरत के प्रति संवेदनशील और लगाव वाली दृष्टि तथा भावनात्मक लगाव चाहिए, जैसा आदिवासी समाज के पास रहा है। आदिवासियों के साथ जो आज हो रहा है उसकी शुरुआत शताब्दियों पहले अमेरिका के मूल निवासी रेड इंडियन्स के संसाधनों की लूट और नरसंहार के साथ हो गई थी। अमेरिका के गौरे शासकों के प्रमुख ने खबर भेजी कि वे रेड इंडियन्स की जमीन खरीदना चाहते हैं। रेड इंडियन्स कबीले



के लोग यह समझते थे कि यदि वे अपनी जमीन नहीं देंगे तो गौरे लोग तोप लेकर आ जायेंगे। रेड इंडियन कबीले के चीफ सिएटल ने अमेरिकन प्रमुख के नाम जो पत्र भेजा वह प्रकृति के साथ अपने कबीले के लोगों के सम्बन्ध और भावनाओं को व्यक्त करने वाला संभवतः सबसे संवेदनशील दस्तावेज है। पत्र में वे लिखते हैं-

'तुम कैसे बेच या खरीद सकते हो आकाश को? या पृथ्वी के प्यार को? जब हवा की ताजगी और पानी की निर्मलता हमारी मिल्कियत नहीं है तो तुम हवा और पानी के मालिक कैसे बन सकते हो? मेरी मां ने मुझे संकेत था, इस जमीन का एक-एक कतरा मेरे लोगों को पूज्य है। पेड़ों का एक-एक पत्ता, एक-एक रेतौला टट, शाम के कोहरे से ढंका हुआ जंगल, घास का मैदान और भौरों का गुंजन, पक्षियों का मधुर संगीत ये सभी पवित्र और पूज्य हैं, ये सभी हम आदिवासियों की यादों और जीवन से जुड़े हैं। ये पेड़ अपनी रांगों में हमारी अतीत की यादें सजोए हुए हैं। मरने पर भी हम नहीं भूलते अपनी मिट्टी। यहां के सुगन्धित फूल हमारे भाई बहन हैं। ये हिरण, ये घोड़े, ये विशाल

पक्षी। सब हमारे भाई हैं। पहाड़ों की चोटियां, मैदानों की हरियाली और घोड़ों के बच्चे- यह सब एक ही परिवार का हिस्सा है। हमारे पूर्वजों की आवाज हमसे कहती है कि नदियों और झरनों में बहता हुआ यह निर्मल जल, केवल पानी नहीं - बल्कि हमारे पूर्वजों का लहू है। पानी की कल-कल में सुनाई देती है पूर्वजों की आवाज। यह नदियां हमारी मित्र हैं। यह हमारी प्यास बुझाती हैं। इनकी लहरों पर खेलती हैं हमारी छोटो-छोटो नावें, जो मिटाती हैं हमारे बच्चों की भूख और प्यास। इसलिए तुम इन नदियों को उतना ही प्यार और दुलार देना जितना तुम अपने सगे भाई को देते हो। मेरे दादा जी ने मुझे संकेत था यह हवा ही सब जीवों का पोषण करती है और सबके साथ अपनी



आत्मा बांटती है। इसी हवा में हमारे पुरखों ने ली पहली और आखिरी सांस। तुम इस जमीन और हवा को पवित्र रखना। जिससे तुम लोग भी उसका आन्नद ले सको। मेरे पुरखों ने मुझे संकेत था और हम सभी यह जानते हैं। हम इस धरती के मालिक नहीं हैं। हम इस पृथ्वी का बस एक अंग हैं। मेरी दादी ने मुझे संकेत था, कि तुम अपने बच्चों को वहीं सिखाणा, जो तुमने खुद सीखा है। यह धरती हमारी मां है, जो कुछ धरती का होगा, वहीं धरती के बच्चों का होगा। सभी चीजें एक दूसरे से जुड़ी हैं। इंसान ने नहीं बना है जीवन का ताना-बाना। वह तो उसमें सिर्फ कमजोर सा धागा है। हमारे साथ भी वहीं होगा जो हम ताने-बाने के साथ करेंगे। इस जमीन को, इस हवा को इन नदियों को संभाल कर रखना अपने बच्चों के बच्चों के लिए और इन्हें वहीं प्यार देना जो उन्हें हमने दिया है।

रेड इंडियन कबीले के चीफ ने जो लिखा है, उसमें कौन सी बात है जो समझ में न आये हो? यदि समझ में आ गई है तो फिर परेशानी क्या है? परेशानी यह है कि समाज लगातार कमजोर होता जा रहा है और सरकार का शिकंजा कसते ही जा



चित्रा माली

सहायक प्रोफेसर, गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग महत्वा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विधि क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता।

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी जी शांतिनिकेतन के अपने संस्मरण में लिखते हैं कि मैंने शांतिनिकेतन के बारे में बहुत कुछ पढ़ रखा था। लेकिन शांतिनिकेतन को प्रत्यक्ष देखने पर मेरा कुतूहल और भी बढ़ता गया। शांतिनिकेतन में सबसे विचित्र बात यह थी कि उस आश्रम का प्रत्येक वृक्ष या कुंज आश्रम का अपना ही जीवंत आत्मीय सदस्य जान पड़ता था, जितना कोई अध्यापक या छात्र हो सकता है। आशा दी (श्रीमती आशा नायकम शांतिनिकेतन की रेक्टर) ने प्रत्येक वृक्ष का कुछ न कुछ इतिहास बताया। मैंने उन स्थानों को देखा जहां कभी दिनबंधु एंड्रज रहते थे प्रोफेसर सिलवा लेवी पढ़ते थे, स्टैन कोनो भाषाविज्ञान का अध्यापन करते थे, जहां कभी गुरुदेव रहते थे और गान या कविता लिखा करते थे। सबसे आकर्षक और प्रेरणादायक सप्तपर्णा का वह घनच्छय निकुंज था जो आश्रम का मूलस्थान कहा जाता है। इस स्थान पर कभी गुरुदेव के पिता महर्षि देवेन्द्रनाथ बैट्टा करते थे और उपनिषदों के साथ साथ हांफिज का अध्ययन और मनन किया करते थे। मूल शांतिनिकेतन इन्हीं वृक्षों को केंद्र में रखकर गठित हुआ, जिसमें बहुत दिनों बाद कविवर ने बोलपुर ब्रह्मचर्याश्रम की स्थापना की जो आजकल %विश्वभारती% के रूप में एक बहुत बड़ी संस्था बन गयी है। गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर ने शांतिनिकेतन में विद्यार्थियों को अधिक से अधिक प्रकृति के साहचर्य में रखने का प्रयास किया। उन्होंने बार बार इस बात पर जोर दिया था कि गांव-गांव में फैला हुआ यह वृहत्तर मानवसमाज ही हमारी वास्तविक पुस्तक है। विद्यार्थियों को इसे ही पढ़ने का प्रयत्न करना चाहिए और जंगलों, पहाड़ों और मैदानों में फैली हुई विश्व-प्रकृति ही वास्तविक पाठशाला है। शिक्षा कोई जड़ वस्तु नहीं है, वह चिन्मय वस्तु है। जो लोग प्रकृतियों में बंद प्राणहीन शिक्षण प्रणालियों में आयोजित शिक्षा को ही प्रथम वस्तु समझते हैं, वे मूल में गलती करते हैं। सबसे बड़ी चीज है मनुष्यत्व। मनुष्य के संपर्क में आने से ही विद्यार्थी का सच्चा मनुष्यत्व जागृत होता है। क्लास रूम टीचिंग के बरक्स प्रकृति के सानिध्य में शिक्षा और अन्य प्राणियों व जीव जंतुओं के साथ भी तात्पर्य स्थापित इसका मकसद था। शांतिनिकेतन में गुरुदेव रोज सुबह टहलते थे और एक एक फूल-पत्ती को उनमें होने वाले परिवर्तनों को

## महज एक दिन का विमर्श या स्टेटस लगा लेना काफी नहीं

## प्रकृति ही वास्तविक पाठशाला है !

ध्यान से देखते थे। एक दिन मैं और एक अन्य अध्यापक साथी भी गुरुदेव के साथ थे। बातचीत के सिलसिले में गुरुदेव ने पूछ कि आश्रम के कौए को क्या हो गया आजकल उनकी आवाज सुनाई नहीं देती है? न ही मुझे और न ही मेरे साथी अध्यापक को इस बात की खबर थी। बाद में मैंने जब इस ओर ध्यान दिया तो मुझे भी महसूस हुआ कि काफी दिनों से कौए दिखाई नहीं दे रहे हैं। आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी जी लिखते हैं कि - तब तक मैंने कौओं को सर्वव्यापी पक्षी ही समझ रखा था।

अचानक उस दिन मालूम हुआ कि कौए भी कभी-कभी प्रवास पर चले जाते हैं या चले जाने के लिए बाध्य हो जाते हैं-। गुरुदेव ही आश्रम के पक्षियों और जीव-जंतुओं का ध्यान नहीं रखते थे वे भी गुरुदेव का सानिध्य और स्नेह पाने का प्रयास करते थे उनमें से एक कुत्ता और एक मैना भी थे जो नियत समय पर गुरुदेव को आकर्षित कर स्नेह पाने का प्रयास करते थे। शांतिनिकेतन में गुरुदेव से जुड़ी ये छोटो-छोटी बातें, उनके कवि मन को कल्पना प्रकृति, मानव व जीव मात्र के प्रति करुणा और अपनेपन से भर देती है। गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर अपने निबंध -तपोवन- में पश्चिम से आ रही नगर संस्कृति का जिसमें प्रकृति का घोर शोषण होता है के विरोध में भारत की अरण्य संस्कृति की उच्चता को स्थापित करते हैं। वे भारतीय तथा यूरोपीयों के प्रकृति संबंधी दृष्टिकोण में अंतर भी प्रकट करते हैं जो यूरोपीय वर्चस्ववाद का प्रतिरोध है।

वे लिखते हैं कि मनुष्य जिस जागत-प्रकृति से घिरा हुआ है उसका मनुष्य के चिंतन के साथ और उसके कार्य के साथ आंतरिक योग है। यदि मनुष्य का संसार नितांत मानवमय हो उठे, यदि मनुष्य के पीछे-पीछे प्रकृति भी उसमें प्रवेश न कर सके, तो हमारे विचार और कर्म क्लृप्तित तथा व्याधिग्रस्त होंगे, अपनी मलिनता के अथाह सागर में आत्महत्या कर बैठेंगे। प्रकृति हमारे बीच नित्य काम करते हुए भी यह दिखाती है कि वह चुपचाप खड़ी है, जैसे हम ही काम-काज में व्यस्त हैं और वह बेचारी केवल अलंकार की वस्तु हो। सर्वप्रथम जब भारतीय सभ्यता का विकास हुआ, लोग एक-दूसरे से बिलकुल सटकर

नहीं बैठे, उन्होंने एक साथ जमा होकर भीड़ नहीं जमाई। यहां वृक्ष-नदी-सरोवर का मनुष्य के साथ लोग बना रहा। यहां मनुष्य भी था, निर्जन स्थान भी थे, निर्जनाता से भारत का चित्त जड़ नहीं हुआ, वरन उसकी चेतना और भी उज्वल हो उठी। हम कह सकते हैं कि शायद दुनिया में और कहीं ऐसा न हुआ होगा।

पहले-पहल जब लोग एक स्थान पर जमा होकर नगर बनाते थे तो उनकी यह रचना सभ्यता के आकर्षण से नहीं होती थी। शत्रुओं के आक्रमण से बचने के लिए लोग किसी सुरक्षित



स्थान पर एकत्रित होने लगे। जहां भी अनेक मनुष्य एक स्थान पर साथ-साथ रहने लगते हैं वहां उनके प्रयोजन और बुद्धि को एक विशिष्ट रूप मिल जाता है और सभ्यता की अभिव्यक्ति होने लगती है। लेकिन भारतवर्ष में आश्चर्यजनक बात देखी गई। यहां सभ्यता का मूल स्रोत नगर में नहीं, बल्कि वन में था। प्राचीन भारत में वन की विजयता ने मानवीय बुद्धि को पराजित नहीं किया, वरन एक ऐसी शक्ति प्रदान की जिससे उस वनवासजन्य सभ्यता की धारा ने सारे भारत को अभिषिक्त किया। आज भी उस धारा का प्रवाह रुका नहीं है। भारत ने अपनी सभ्यता का परिचय मुख्य रूप से ऐश्वर्य के उपकरणों द्वारा नहीं दिया। इस सभ्यता के कर्णधार अरण्य-निवासी, अल्पवसन तपस्वी थे।

मनुष्य जाति का इतिहास जीव-धर्मी है। एक निगूढ़ प्राण-शक्ति उस आगे बढ़ती है। वह लोहे-पीतल की तरह सांचे में ढलने की चीज नहीं है। वह सकता है कि किसी विशेष समय पर बाजार में किसी विशेष सभ्यता का भाव बहुत तेज हो जाए लेकिन सारे मानव-समाज को ही कारखाने में ढालकर फैशन से प्रभावित मूढ़ खरीददारों को खुश करने की आशा बिलकुल व्यर्थ है। छोटे पैरों को सौंदर्य का अभिजात लक्षण मानकर चीन की स्त्रियों ने कुत्रिम उपचारों से अपने पैरों को संकुचित बनाना चाहा। लेकिन

इस प्रयत्न से उन्हें छोटे पैर नहीं, बल्कि विकृत पैर मिले। भारत भी यदि जबरदस्ती अपने-आपको यूरोपीय आदर्शों पर ढाले तो वह प्रकृत यूरोप नहीं बन सकता विकृत भारत ही बन सकता है। एक देश का दूसरे नहीं आदान-प्रदान पर आधारित होता है। जो चीज हमारे पास अधिक मात्रा में है वही अगर अन्य के पास भी हो, तो हम दोनों में लेन-देन नहीं चल सकता। भारत यदि विशुद्ध रूप से भारत न हो तो विदेशियों के बाजार में मजदूरी करने के अतिरिक्त दुनिया में उसका कोई प्रयोजन नहीं रहेगा। ऐसी दशा में वह आत्म-सम्मान बोध खो देगा और अपने आप में उसे आनंद प्राप्त नहीं होगा। भारतवर्ष ने जिस सत्य को

अपने निश्चित भाव से उपलब्ध किया है वह सत्य क्या है? वह सत्य प्रधानतः वणिक्-वृत्ति नहीं है, स्वदेशिकता नहीं है, स्वराज्य नहीं है-वह है विश्व-बोध। इस सत्य की भारत के तपोवन में साधना हुई है। चूने-गारे से बने नगरों के विस्तार के सामने या कहें नगरीय सभ्यता के बरक्स गुरुदेव ने प्राचीन वन संस्कृति जिसमें तपोवन की अवधारणा उत्पन्न की उसके महत्त्व के बारे में विस्तार से लिखा। उन्होंने प्राचीन भारत के इतिहास के दो बड़े युगों वैदिक और बौद्ध युग में वन ने भारत के लिए किस प्रकार से %धार्त्री रूप% धारण किया था उसका उल्लेख करते हैं। साथ ही वे बताते हैं कि वैदिक ऋषियों ने ही नहीं, भगवान बुद्ध ने भी आग्रवनों और वेणुवनों में उपदेश दिए

थे। वन तथा संपूर्ण प्रकृति हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा थी। आज भी धार्मिक अनुष्ठानों में विभिन्न व्रत और उपवासों में वृक्षों, फूल-पतियों, नदियों, पर्वतों का विशेष महत्व है। लेकिन हम इनको साफ-सुथरा रखने, इनके संरक्षण और संवर्धन के लिए न कोई प्रयास करते हैं और न ही कोई मुहिम नहीं चलते हैं, और न ही इनकी दुर्दशा के लिए जिम्मेदार तत्वों की खोज कर उनका निराकरण करते हैं। हमारे देश में नदियों के साथ गहरी आस्था जुड़ी हुई है लेकिन उन्हें देखकर ऐसा प्रतीत नहीं होता है। अभी हाल ही में सोशल मीडिया पर दो वीडियो वायरल हुए थे जिनमें से एक पीपल के वृक्ष का था जिस पर जमा रक्षा सूत्र की एक मोटी परत को हटाय़ा जा रहा था और दूसरा वट वृक्ष में लगी आग का था जो शायद पूजा करते समय जल गई थी। ऐसे अनेक उदाहरण मिल जायेंगे लेकिन आवश्यकता प्रकृति को बरकरार रखते हुए, उसके संरक्षण, संवर्धन और उसके प्रति जागरूकता की है क्योंकि प्रकृति है तो कल है। वर्तमान समय में पूंजीवादी व्यवस्था ने अधिक उपभोग करने की प्रणाली को जन्म दिया है जो उपभोक्तावादी संस्कृति का अनिवार्य हिस्सा है। इसी संदर्भ में रवींद्रनाथ टैगोर का एक और लेख 'रॉबरी ऑफ द सोइल' है जो आज से कई वर्षों पूर्व लिखा गया था, लेकिन वह आज भी प्रासंगिक है। टैगोर का मानना है कि एक उच्चस्तरीय जीवनशैली की जो चाह पहले समाज के एक छोटे हिस्से में ही व्याप्त थी, वह महत्वाकांक्षा के रूप में अब समाज के एक बड़े हिस्से में फैल गई है। इसी के परिणामस्वरूप हर कहीं पानी खल हो रहा है तो कहीं पेड़ों की कटाई हो रही है और धरती बंजर हो रही है। आधुनिक सभ्यता में लक्ष्मी का आसन जिस कमल पर विद्यमान है वह ईंट और लकड़ी का बना है-वह नगर है। उन्नति का सूर्य जैसे-जैसे आकाश में ऊपर उठता है, इस विशाल कमल की पंखुईयों खिल-खिलकर चारों ओर व्याप्त हो जाती है। इस चूने-गारे के विस्तार को रोकना पृथ्वी के लिए असंभव सा हुआ जा रहा है। गुरुदेव के द्वारा शांतिनिकेतन में किए गए प्रयोग की आज के समय में अत्यंत आवश्यकता है। क्योंकि प्रकृति के साथ प्रत्यक्ष तारतम्य स्थापित न होने से उपभोक्तावादी प्रवृत्ति में लगातार वृद्धि हो रही है और हम प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन कर रहे हैं। महज एक दिन पर्यावरण पर विमर्श कर लेने से या सोशल मीडिया पर स्टेटस लगा देने से हमें पर्यावरणीय संकटों से निजात नहीं मिल सकती है इसके लिए ठोस प्रयासों की दरकार है।

स्वामी, सुबह सवरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जेन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक उमेश त्रिवेदी  
कार्यकारी प्रधान संपादक अजय बोकिल  
संपादक (मध्यप्रदेश) विनोद तिवारी  
वरिष्ठ संपादक पंकज शुक्ला  
प्रबंध संपादक अरुण पटेल  
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)  
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,  
Ph. No. 0755-2422692, 4059111  
Email- subahsavere.news@gmail.com

'सुबह सवरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सम्बन्ध नहीं है।



विश्व पर्यावरण दिवस

देवेंद्र काशिव

लेखक साहित्यकार हैं।

वास्तव में देखा जाए तो जहां भी पराली जलाई जाती है, उसके आसपास, उस जलपूर्ण क्षेत्र में उत्पन्न तोपियों को कई गज की दूरी से महसूस किया जा सकता है , जो पर्यावरण को नुकसान तो पहुंचती ही हैं , साथ ही हमारे आम जन जीवन को भी बुरी तरह से प्रभावित करती हैं। पिछले 5 साल में पूरे प्रदेश में लगभग 77000 पराली जलाने के प्रकरण सामने आए हैं , जिन पर सख्त जैसी कार्यवाहियां भी हुई हैं। लेकिन यक्ष प्रश्न यही उठता है की किसान आखिर नरवाई जलता ही क्यों है , क्या उस पर्यावरण के नुकसान अथवा अपने खेत की उपजाऊ भूमि की मित्र बैक्टिरिया के नष्ट

होने की चिंता नहीं है , इन सब के पीछे उसकी क्या मजबूरी है , जो वह अपनी आसान , सस्ती व पारंपरिक खेती के इस तरीके को वह छोड़ नहीं पा रहा है। लेकिन व्यवहारिकता में देखा जाए तो जिन कृषि भूमियों में गेहूँ की फसल के पश्चात मूं आदि जैसी अन्य ग्रीष्मकालीन फसले ली जाती है, तो उनमें तीन से चार सिंचाई का सुदृढ़ जैसी कार्यवाहियां भी हुई हैं। लेकिन नरवाई जलता ही क्यों है , क्या उस पर्यावरण के नुकसान अथवा अपने खेत की उपजाऊ भूमि की मित्र बैक्टिरिया के नष्ट

होने की चिंता नहीं है , इन सब के पीछे उसकी क्या मजबूरी है , जो वह अपनी आसान , सस्ती व पारंपरिक खेती के इस तरीके को वह छोड़ नहीं पा रहा है। लेकिन व्यवहारिकता में देखा जाए तो जिन कृषि भूमियों में गेहूँ की फसल के पश्चात मूं आदि जैसी अन्य ग्रीष्मकालीन फसले ली जाती है, तो उनमें तीन से चार सिंचाई का सुदृढ़ जैसी कार्यवाहियां भी हुई हैं। लेकिन नरवाई जलता ही क्यों है , क्या उस पर्यावरण के नुकसान अथवा अपने खेत की उपजाऊ भूमि की मित्र बैक्टिरिया के नष्ट

होने की चिंता नहीं है , इन सब के पीछे उसकी क्या मजबूरी है , जो वह अपनी आसान , सस्ती व पारंपरिक खेती के इस तरीके को वह छोड़ नहीं पा रहा है। लेकिन व्यवहारिकता में देखा जाए तो जिन कृषि भूमियों में गेहूँ की फसल के पश्चात मूं आदि जैसी अन्य ग्रीष्मकालीन फसले ली जाती है, तो उनमें तीन से चार सिंचाई का सुदृढ़ जैसी कार्यवाहियां भी हुई हैं। लेकिन नरवाई जलता ही क्यों है , क्या उस पर्यावरण के नुकसान अथवा अपने खेत की उपजाऊ भूमि की मित्र बैक्टिरिया के नष्ट

होने की चिंता नहीं है , इन सब के पीछे उसकी क्या मजबूरी है , जो वह अपनी आसान , सस्ती व पारंपरिक खेती के इस तरीके को वह छोड़ नहीं पा रहा है। लेकिन व्यवहारिकता में देखा जाए तो जिन कृषि भूमियों में गेहूँ की फसल के पश्चात मूं आदि जैसी अन्य ग्रीष्मकालीन फसले ली जाती है, तो उनमें तीन से चार सिंचाई का सुदृढ़ जैसी कार्यवाहियां भी हुई हैं। लेकिन नरवाई जलता ही क्यों है , क्या उस पर्यावरण के नुकसान अथवा अपने खेत की उपजाऊ भूमि की मित्र बैक्टिरिया के नष्ट

होने की चिंता नहीं है , इन सब के पीछे उसकी क्या मजबूरी है , जो वह अपनी आसान , सस्ती व पारंपरिक खेती के इस तरीके को वह छोड़ नहीं पा रहा है। लेकिन व्यवहारिकता में देखा जाए तो जिन कृषि भूमियों में गेहूँ की फसल के पश्चात मूं आदि जैसी अन्य ग्रीष्मकालीन फसले ली जाती है, तो उनमें तीन से चार सिंचाई का सुदृढ़ जैसी कार्यवाहियां भी हुई हैं। लेकिन नरवाई जलता ही क्यों है , क्या उस पर्यावरण के नुकसान अथवा अपने खेत की उपजाऊ भूमि की मित्र बैक्टिरिया के नष्ट

होने की चिंता नहीं है , इन सब के पीछे उसकी क्या मजबूरी है , जो वह अपनी आसान , सस्ती व पारंपरिक खेती के इस तरीके को वह छोड़ नहीं पा रहा है। लेकिन व्यवहारिकता में देखा जाए तो जिन कृषि भूमियों में गेहूँ की फसल के पश्चात मूं आदि जैसी अन्य ग्रीष्मकालीन फसले ली जाती है, तो उनमें तीन से चार सिंचाई का सुदृढ़ जैसी कार्यवाहियां भी हुई हैं। लेकिन नरवाई जलता ही क्यों है , क्या उस पर्यावरण के नुकसान अथवा अपने खेत की उपजाऊ भूमि की मित्र बैक्टिरिया के नष्ट



# समान नागरिक संहिता के अध्ययन एवं परीक्षण के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक हुई

यूसीसी के संबंध में जनप्रतिनिधिगणों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, शांति समिति के सदस्यगणों, पत्रकारगणों एवं प्रबुद्ध नागरिकों से सुझाव प्राप्त किए



धार। समान नागरिक संहिता के अध्ययन एवं परीक्षण के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक धार के पीजी कॉलेज के ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित की गई। बैठक में समिति के सदस्य डॉ गोपाल शर्मा द्वारा विभिन्न सामाजिक, विधिक एवं प्रशासनिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने समान नागरिक संहिता के संभावित स्वरूप, विभिन्न राज्यों के अनुभव, सामाजिक समरसता तथा नागरिक अधिकारों से जुड़े

विषयों पर अपने विचार रखे। बैठक में जनप्रतिनिधिगणों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, शांति समिति के सदस्यगणों, पत्रकारगणों एवं प्रबुद्ध नागरिकों से सुझाव भी प्राप्त किए गये।

समिति सदस्य डॉ गोपाल शर्मा ने पारिवारिक कानूनों, महिलाओं के अधिकार, सामाजिक न्याय एवं संवैधानिक प्रावधानों के संबंध में सुझावों पर चर्चा की। उन्होंने आगामी चरणों में नागरिकों से संवाद एवं सुझाव प्राप्त

करने के लिए ucc.mp.gov.in पोर्टल की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समान नागरिक संहिता के संबंध में सुझाव ucc.mp.gov.in पोर्टल पर भेज सकते हैं। संविधान में समाजता के लिए यूसीसी लाने का प्रस्ताव है। इसी के लिए आज विचार विमर्श हो रहा है। कुछ प्रदेशों में पूर्व में यूसीसी लागू हो गया है। प्रदेश सरकार चाहती है कि यूसीसी लागू करने से पूर्व नागरिकों के सुझाव लिये जायें। यूसीसी का केन्द्र बिन्दु परिवार है।

डॉ गोपाल शर्मा ने कहा कि पारिवारिक संबंधों से तात्कालिक रखने वाले जो कानून हैं, वो समान नागरिक संहिता के परिधि में आते हैं। मिसाल के तौर पर विवाह, विवाह विच्छेद, भरण पोषण, उत्तराधिकार, लिविंग हैं। हम सभी जानते हैं कि परंपरागत रूप से हमारे देश में विभिन्न प्रकार के धर्म समुदायों के लिए विभिन्न प्रकार के पारिवारिक लॉ लागू हैं। आजादी के बाद इनमें से कुछ कानूनों को सुधार करने की कोशिश की गई, लेकिन अभी भी बहुत से विषय ऐसे हैं जिनको सुधार नहीं किया गया है, जो परंपरागत रीति रिवाजों से चलते हैं।

समिति सदस्य शोभा पैठणकर ने यूसीसी के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि कोई भी कार्य सरकार अकेले नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि अनेकता में एकता हमारी पहचान है, सभी को मिलकर कार्य करना होगा। समिति सभी जिलों में जाकर सुझाव ले रही है। सुझावों के आधार पर ड्राफ्ट तैयार होगा।

बैठक में कलेक्टर राजीव रंजन मीना, पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक चौधरी, प्रशासनिक अधिकारीगण, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, शांति समिति के सदस्यगण, पत्रकारगण, प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

# 36वें ग्रीष्मकालीन खेलकूद प्रशिक्षण शिविर का भव्य समापन



धार। धार जिला क्रिकेट एसोसिएशन, धार जिला स्पोर्ट्स एंड कल्चरल सोसायटी, योग आयोग तथा धार जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में स्वर्गीय अरविंद जी काशिव (वरिष्ठ पत्रकार) एवं स्वर्गीय संदीप जी कराले (वरिष्ठ समाजसेवी) की स्मृति में आयोजित 36वें ग्रीष्मकालीन खेलकूद प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ।

समारोह के मुख्य अतिथि विजय बहादुर सिंह नन्हें भैय्य- (धार) रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेन्द्र सिंह चौहान ने की तथा विशेष अतिथि के रूप में पंकज खत्री, पंकज नाडकर उपस्थित रहे।

यह प्रशिक्षण शिविर धार पब्लिक स्कूल के खेल मैदान पर आयोजित किया गया, जिसमें क्रिकेट, कराटे, ताइक्वांडो, फिजिकल एक्टिविटीज एवं फिटनेस ट्रेनिंग सहित विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान किया गया। शिविर का उद्देश्य बच्चों एवं युवाओं की खेल प्रतिभाओं को निखारना तथा उन्हें शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा महाराज स्वर्गीय हेमेंद्र सिंह जी पवार, स्वर्गीय अरविंद जी काशिव एवं

स्वर्गीय संदीप जी कराले के चित्रों पर माल्यार्पण कर किया गया।

मुख्य अतिथियों का स्वागत धार डिस्ट्रिक्ट कल्चरल सोसायटी के अध्यक्ष धीरेन्द्र दिवे द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। अन्य अतिथियों का स्वागत योग गुरु जगदीश शर्मा, डिंपल परमार एवं प्रदीप जोशी द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त प्रमोद शर्मा, अम्बालाल पाटीदार, कपिल यादव, विजय सोलंकी, राम सोलंकी एवं श्री कुशल शर्मा ने भी अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम की प्रस्तावना एवं स्वागत भाषण योग गुरु जगदीश शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। अतिथियों को स्मृति-चिन्ह प्रदीप जोशी -कीका भाई- द्वारा भेंट किए गए। सभी प्रशिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। शिविर में भाग लेने वाले सभी प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं स्मृति-चिन्ह प्रदान कर उनके उत्साहवर्धन किया गया। सफल संचालन एवं आभार प्रदर्शन रामगोपाल शर्मा -गुरुजी- द्वारा किया गया।

समापन समारोह में खेल, स्वास्थ्य एवं योग के क्षेत्र से जुड़े गणमान्य नागरिकों, प्रशिक्षकों, अभिभावकों एवं बड़ी संख्या में प्रशिक्षार्थियों की उपस्थिति रही।

## ग्राम पंचायत सचिव पर हितग्राहियों की अनदेखी एवं भ्रष्टाचार का आरोप, आवेदन दिया

सोहागपुर। आदिवासी ग्राम पंचायत गोड़ीखेरीमाल के सचिव लखन मेहरा द्वारा हितग्राहियों का कोई काम न करने, ग्राम सभा की सूचना ग्रामवासियों को न देने एवं मुख्यालय पर उपस्थित न रहने का आरोप ग्राम पंचायत गोड़ीखेरीमाल के पंचों एवं ग्रामवासियों ने लगाया है। इस संबंध में एक आवेदन दिया है। इस आवेदन में आरोप लगाया गया है कि ग्राम पंचायत गोड़ीखेरीमाल के सचिव लखनलाल मेहरा द्वारा ग्राम पंचायत हितग्राहियों के कोई काम नहीं करता है और न ही समय पर पंचायत मुख्यालय पर उपस्थित रहते हैं। ज्ञापन मुख्य आरोपी यह लगाया गया है कि दिनांक 26. जनवरी 15 अगस्त 2 अक्टूबर, जैसे राष्ट्रीय उत्सव में बड़ी ग्राम सभा ग्राम पंचायत मुख्यालय पर होना चाहिए। वहीं ग्राम सभा नहीं की जाती है। आवेदन में सबसे बड़ा आरोप यह लगाया गया है कि सचिव द्वारा मन से ग्राम सभा के प्रस्ताव लिखकर ग्रामवासियों के पंचों के हस्ताक्षर करा लिए जाते हैं। इससे ग्राम पंचायत में होने वाले कार्यों की कोई जानकारी नहीं रहती है। हम सभी ग्रामवासी आदिवासी समाज से आते हैं, शिक्षित न होने के कारण सचिव लखनलाल हमें हर तरह से गुमराह करता रहता है। हमारे कोई भी कार्य ग्राम पंचायत में नहीं किए जाते हैं। ग्रामवासियों के वन अधिकारी पट्टे का प्रस्ताव आज दिनांक तक नहीं लिए गए हैं। उक्त पट्टे की मांग ग्रामवासियों लम्बे समय से लगातार शासन से की जा रही है जिसमें ग्राम पंचायत का प्रस्ताव लगना अनिवार्य है। लेकिन सचिव लखनलाल मेहरा किसी भी हितग्राही का प्रस्ताव ग्राम पंचायत में नहीं लिया गया है। इससे हम आठ हितग्राही पट्टे की प्रक्रिया से वंचित हैं। हमें आज तक पट्टे प्रदान नहीं किए गए हैं। जब भी हम सचिव महोदय से इस प्रस्ताव के संबंध में हितग्राही बात करते हैं। उसके द्वारा ग्रामवासियों को सिर्फ आश्वासन दिया जाता है। इस आवेदन में पंचायत में घोर भ्रष्टाचार निर्माण कार्य, नाली, सड़क पंचायत भवन अस्पताल, एवं शमशान घाट जैसे करोड़ों के काम में गुणवत्ताविहीन कार्य करने का आरोप लगाया गया है। आवेदन में लिखित है कि वर्तमान में रमशान घाट की राशि आई है। लेकिन रमशान घाट नहीं बनाया गया है। इस आवेदन में लिखित समस्त कार्यों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। इस आवेदन में भागीरथ, अमरसिंह, भूरलाल, पोहण सिंह आदि आदिवासी के हस्ताक्षर हैं।

## शोहरत की बुलंदी भी पल भर का तमाशा है, जिस डाल पर बैठे हो, वह टूट भी सकती है शायर बशीर बद्र को दी श्रद्धांजलि



सोहागपुर। पलकमती साहित्य परिषद ने पद्य विभूषण से सम्मानित शायर डॉक्टर बशीर बद्र के निधन उरांत पूर्णन्दु परिसर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। जिसमें समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों, नेताओं, कवियों ने विख्यात शायर बशीर बद्र को श्रद्धांजलि प्रदान की गई। इस गरिमामय कार्यक्रम में कविवर बशीर बद्र की शास्त्रियों को स्थानीय कवियों ने पढ़ी। इसी अवसर उपस्थित समाजसेवियों, नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने विख्यात शायर बशीर बद्र साहब को गुजल, शायरी एवं उनकी उल्लेखनीय बातों को सारांशित उद्घोषण किया। शोहरत की बुलंदी भी पल भर का तमाशा है जिस डाल पर बैठे हो वह टूट भी सकती है।

## एम्स स्थित करुणेश्वरी सेवा केंद्र के 8 वर्ष पूर्ण

गुरुदेव श्री शांडिल्य महाराज ने किया भोजन वितरण। भोपाल। एम्स भोपाल परिसर में संचालित करुणेश्वरी सेवा केंद्र के 8 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर करुणधाम आश्रम के पीठाधीश्वर गुरुदेव श्री सुदेश जी शांडिल्य महाराज ने परिवार सहित विश्रामालय पहुंचकर मरीजों के परिजनों के बीच भोजन वितरण किया। कार्यक्रम के दौरान सेवाकार्यों को याद करते हुए बताया गया कि करुणधाम का यह विश्रामालय लगभग 11 हजार वर्ग फीट क्षेत्र में निर्मित है। यहां मरीजों के परिजनों के लिए रहने एवं दिन में तीन समय भोजन की निःशुल्क व्यवस्था उपलब्ध कराई जाती है।

# बालाजीपुरम के गेट पर गुंडागर्दी, विरोध में मंदिर अनिश्चितकालीन के लिए बंद



बैतूल। बालाजीपुरम मंदिर परिसर में गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब मंदिर के गेट के बाजू में जूता स्टैंड पर तैनात कर्मचारियों और श्रद्धालुओं के साथ कुछ लोगों ने विवाद के बाद जानलेवा हमला कर दिया। इस घटना के विरोध में बालाजीपुरम मंदिर प्रबंधन ने मंदिर को अनिश्चितकालीन के लिए बंद करने की घोषणा की है। प्रास जनकारी के अनुसार, परिषदादी सुनील जांगड़े (उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम बयावाड़ी), जो बालाजीपुरम मंदिर में जूता स्टैंड पर काम करता है, ने

पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई, कि आज गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे की बात है। कुछ दर्शनार्थी मंदिर में दर्शन करने के बाद वापस लौटे और अपने जूते-चप्पल मांगने लगे। जब सुनील जांगड़े ने नियमानुसार तय सुरक्षा शुल्क की उनसे मांग की, तो वे लोग अचानक उग्र हो गए और गंदी-गंदी गालियां देने लगे। विवाद इतना बढ़ा कि आरोपियों ने सुनील के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों में से एक ने आवाज लगाई, निहाल निवासी ग्राम बयावाड़ी), जो बालाजीपुरम मंदिर में जूता स्टैंड पर काम करता है, ने



चाकू और डंडे से किया जानलेवा हमला- चौक-पुकार सुनकर जब सुनील का साथी मुकेश भारद्वाज बीच-बचाव करने के लिए आगे आया, तो हमलावरों ने उस पर भी लाठी-डंडों और हथ में ली हुई धारदार कटार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस हमले में मुकेश के सिर पर गहरा घाव हो गया और खून बहने लगा। इसके अलावा मुकेश

के दाहिने कंधे और बाएं गाल पर भी गंभीर चोटें आई हैं। इसके बाद मंदिर परिसर में मौजूद अन्य सहयोगियों-भूपेन्द्र सिंह, नरेन्द्र सिंह, गोलू यादव और शुभम गोपते ने जब बीच-बचाव का प्रयास किया, तो हमलावर वहां से भाग खड़े हुए। हालांकि कुछ ही देर बाद आरोपी अपने साथ अन्य लोगों की भारी भीड़ लेकर वापस लौटे और मंदिर परिसर में दोबारा गाली-गलौज कर उत्पाद मचाया।

## चलते आयशर ट्रक में भड़की आग, फायर टीम की तत्परता से तला बड़ा हादसा

बैतूल/मुलताई। मुलताई क्षेत्र के थाना साईंखेड़ा के ग्राम उमनपेट में गुरुवार तड़के एक चलते आयशर ट्रक में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। समय रहते फायर फ़िरेड की टीम के पहुंचने और तत्परता से किए गए राहत एवं बचाव कार्य के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। प्रास जानकारी के अनुसार ट्रक क्रमांक एमएच 40 सीडी 4982 तिगांव से साईंखेड़ा की ओर गंभीर भरने जा रहा था। गुरुवार सुबह करीब 3.05 बजे ग्राम उमनपेट के पास ट्रक के अगले हिस्से में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग बढ़ने लगी, जिससे चालक और आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग ट्रक के सामने वाले हिस्से में लगी थी और तेजी से फैल रही थी। यदि आग डीजल टैंक तक पहुंच जाती तो स्थिति बेहद गंभीर हो सकती थी और बड़ा नुकसान होने की आशंका थी। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड के कर्मचारी मनोज कवडे, दीपक अहिरवार एवं विजय बड़कर तत्काल मौके पर पहुंचे। टीम ने बिना समय गंवाए आग बुझाने का अभियान शुरू किया और कुछ ही देर में आग पर नियंत्रण पा लिया। उनकी त्वरित कार्रवाई के चलते ट्रक को अधिक क्षति होने से बचा लिया गया।

## पर्यावरण दिवस पर विशेष

धार। मोक्षदायिनी शिप्रा प्राचीन नदी है। जब सनातन काल में राहु अमृत कलश लेकर भागा था और भगवान विष्णु उसका पीछा कर रहे थे। तब घड़े से अमृत की बुँदें शिप्रा में गिरी थी और तभी से शिप्रा तट उज्जैन में कुंभ लगता है। शिप्रा नदी में वर्षों से प्रदूषण बढ़ रहा है। सालों पहले क्षिप्रा प्रवाहमान थी और प्रदूषण मुक्त थीं। उज्जैन एवं आसपास के ग्रामीण जनता पीने के पानी के लिये क्षिप्रा के जल का उपयोग करते थे किन्तु वर्तमान समय में शिप्रा के जल में प्रदूषण बढ़ रहा है।

शिप्रा का उद्गम इंदौर जिले के देवगुड़ाडिया ग्राम के समीप शिप्रा मंदिर से हुआ है। जहाँ एक कुंड भी है। मान्यता है कि इस कुंड में शिप्रा का उद्गम हुआ है। यहाँ से लेकर शिप्रा इंदौर, देवास, उज्जैन एवं रतलाम जिले के आलोट तहसील के क्षिपावरा स्थान पर समाप्त होती है।

2016 सिंहस्थ महाकुंभ में जब पर्यावरण कुंभ और प्लास्टिक मुक्त सिंहस्थ का अभियान चलाया था वही एक संकल्प लिया की शिप्रा को आने वाले समय में प्रदूषण मुक्त कर के शुद्धिकरण का अभियान करेंगे उस संकल्प को सार्थक करने हेतु पिछले अनेक सालों से शिप्रा शुद्धिकरण को लेकर कई रचनात्मक कार्य प्रारंभ किया। इन्होंने रचनात्मक कार्यों में शिप्रा नदी के

# शादी समारोह में चाकूबाजी के तीन आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। शादी समारोह के दौरान चाकूबाजी, मारपीट और अंडीबाजी के मामले में कोतवाली पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना 28 मई 2026 को हुई थी। पुलिस के अनुसार, ग्राम हिवरखेड़ी निवासी सतीश धुवें (23) ने 29 मई 2026 को कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 28 मई को डूडा बोरगांव में एक शादी समारोह में रोहित मसंकले, अलकेश धुवें, गोपाल धुवें और उनके साथियों ने डीजे पर नाचने और शराब पीने के लिए पैसे मांगने को लेकर विवाद किया। आरोपियों ने गाली-गलौज और मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर सतीश को घायल कर दिया था। शिकायत के आधार पर कोतवाली थाने में भारतीय



न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटना के बाद से आरोपी फरार थे, जिनकी तलाश पुलिस लगातार

कर रही थी। 3 जून को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी पॉलीटेक्निक कॉलेज क्षेत्र में घूम रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में आरोपियों ने घटना में अपनी सल्लसता स्वीकार कर ली। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में झाड़ेगांव निवासी रोहित मसंकले (23), अलकेश धुवें (31) और गोपाल धुवें (21) शामिल हैं। तीनों को 3 जून को न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक देवकरण डेहरिया, उप निरीक्षक भानुप्राया बुदेल्ला, सहायक उप निरीक्षक अजय अजनेरिया, प्रधान आरक्षक अभिजीत खलतकर, दीवान सिंह और आरक्षक विशाल राजपूत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

## जन स्वास्थ्य अभियान का राष्ट्रीय सम्मेलन आज

भोपाल। जन स्वास्थ्य अभियान इंडिया द्वारा 5 जून को व्यावसायिक एवं पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन गांधी भवन भोपाल में सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक किया जा रहा है। इसमें व्यावसायिक एवं पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर कार्य करने वाले 12 राज्यों के प्रमुख लोग मुद्दे पर चर्चा करने के लिए एकत्रित हो रहे हैं। इस आयोजन में मुख्य रूप से भारत में व्यावसायिक स्वास्थ्य, कानून, नीतियाँ, संघर्ष और चुनौतियाँ और पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन एवं स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इन विषयों पर चर्चा के लिए विभिन्न विषय विशेषज्ञ उपस्थित होंगे। इस कार्यक्रम में व्यावसायिक एवं पर्यावरणीय स्वास्थ्य से विभिन्न प्रकार से प्रभावित समुदायों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। व्यावसायिक एवं पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर चर्चा के साथ ही देश के इन विभिन्न मुद्दों पर व्यापक और अमरदार तरीके से प्रयास करने हेतु विस्तृत कार्ययोजना भी बनाई जाएगी।

## शिप्रा शुद्धिकरण शिप्रा एवशन प्लान से होगा बड़ा परिवर्तन : पर्यावरणविद् सचिन दवे

किनारे पौधारोपण , शिप्रा के घाटों पर युवाओं को लेकर सफाई अभियान,मा शिप्रा अध्ययन यात्रा, शिप्रा किनारे बसे गांव व शहर में शिप्रा शुद्धिकरण को



लेकर जन जागरण का कार्यक्रम किया। नर्मदा , शिप्रा प्रदूषण को लेकर एनजीटी याचिकाकर्ता विगत 22 वर्ष से पर्यावरण एवं शिक्षा क्षेत्र में सक्रिय- पूर्व एबीवीपी केंद्रीय कार्य समिति सदस्य,पूर्व एस एफ डी राष्ट्रीय प्रमुख सचिन दवे ने कहा कि शिप्रा के पानी का संपर्लिंग कराकर पानी के शुद्धता की जांच करना शिप्रा के नजदीक उद्योग की विजित करके इंडस्ट्री में से निकलने वाला

प्रदूषित पानी शिप्रा में ना मिले इस हेतु इंडस्ट्री में जाकर निरीक्षण करना पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों को साथ में लेकर निरीक्षण करवाना। इस प्रकार अनेक सार्थक कार्य किये, इसके अतिरिक्त सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को निरीक्षण करके ट्रीटमेंट प्लांट से निकालने वाला पानी भी प्रदूषित पानी न रहे उसे नदी मे सीधा ना छोड़ा जाए लंबे समय तक इस कार्य को करने के बाद अनेक सकारात्मक परिणाम निकले हैं । शिप्रा के किनारे जन जागरण सभी स्तर पर हुआ है शिप्रा एक्शन प्लान बना प्रशासनिक लोगों में भी जागृति आई है जनमानस में भी जागृति आई है सरकार भी संजीदा है और सभ के सार्थक प्रयास से आने वाले सिहस्थ में हम शिप्रा के जल को प्रदूषण मुक्त करने के संकल्प में सफल हो रहे हैं।

## संक्षिप्त समाचार

## विकास पोर्टल के माध्यम से सुगम होगी खाद वितरण व्यवस्था

● जिले की ग्राम पंचायतों में दिया गया प्रशिक्षण



अशोक नगर (निप्र)। कलेक्टर श्री साकेत मालवीय के निर्देशानुसार जिला पंचायत अशोकनगर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राजेश कुमार जैन के मार्गदर्शन में मंगलवार को जिले की ग्राम पंचायतों में ई-विकास (वितरण एवं कृषि उर्वरक आपूर्ति समाधान) प्रणाली का व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस विशेष अभियान के तहत जनपद पंचायत अशोकनगर की ग्राम पंचायत गला शाहोरा, चिरीली, दियाधरी मयापुर, सहोदरी, मसीदपुर सहित विभिन्न पंचायतों में किसानों को खाद प्राप्त के लिए ई-टोकन जनरेट करने की तकनीकी व व्यावहारिक जानकारी दी गई। किसानों को सुगमतापूर्वक और शत-प्रतिशत पारदर्शिता के साथ उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह ई-व्यवस्था लागू की गई है। किसानों को अवगत कराया गया कि वे अपनी ग्राम पंचायत में स्थित कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से मात्र 15 का सेवा शुल्क देकर अपना ई-टोकन आसानी से पंजीकृत करवा सकते हैं। ग्राम स्तर पर सरपंचों को इस ई-टोकन प्रणाली का मुख्य नियंत्रक बनाया गया है, जिनकी देखरेख में पूरी प्रक्रिया संचालित की जा रही है। कॉमन सर्विस सेंटर संचालकों को रोजाना कम से कम 50 से 60 किसानों को ई-टोकन हेतु पंजीकृत करने और प्रशिक्षित करने का लक्ष्य दिया गया है। टोकन जनरेट होने के बाद किसानों को मार्केट के डबल लॉकर, सहकारी समितियों या निजी डीलरों के पास उपलब्ध खाद के स्टॉक के अनुसार तत्काल उर्वरक काउंटर से वितरित किया जाएगा इस प्रशिक्षण और ई-व्यवस्था की मॉनिटरिंग के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को नोडल अधिकारी तथा जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उक्त प्रशिक्षण से क्षेत्र के किसानों को खाद के लिए लंबी लाइनों से मुक्ति मिलेगी और पूरी व्यवस्था डिजिटल व पारदर्शी बनेगी।

## ग्राम शाजापुर में राजस्व दल ने भूमि को कराई अतिक्रमण से मुक्त



अशोक नगर (निप्र)। कलेक्टर श्री साकेत मालवीय के निर्देशन एवं अनुविभागीय अधिकारी के मार्गदर्शन में एवं न्यायालय तहसीलदार तहसील नईसराय के राजस्व प्रकरण क्रमांक 0021/अ-70/2025-26 आदेश दिनांक 12.01.2026 के परिपालन में एवं कार्यालय तहसीलदार के आदेश की री-1/2026/555 नईसराय दिनांक 27.05.2026 के अनुपालन में आज दिनांक 02.06.2026 को राजस्व विभाग द्वारा ग्राम शाजापुर स्थित आवेदक पुरन पुत्र हल्का जाति दीमर निवासी ग्राम शाजापुर के सर्वे क्रमांक 267 रकबा 0.606 हे० भूमि पर से अतिक्रमण जगदीश पुत्र मोकाम जाति सहरिया रकबा 0.052 हे०, कल्ला पुत्र गुपला जाति दीमर रकबा 0.031 हे० एवं लक्ष्मण पुत्र हल्कराम जाति पाल रकबा 0.102 हे० भूमि पर से अतिक्रमण किया गया था। राजस्व दल द्वारा मौके पर उपस्थित होकर अवैध अतिक्रमकों द्वारा किये गये अतिक्रमण को हटाकर आवेदक पुरन पुत्र हल्का जाति दीमर निवासी ग्राम शाजापुर को मौका स्थल पर कब्जा सौंपा गया। उक्त भूमि को बाजारू कोमत लगभग 5 लाख रुपये है।

## जिला मजिस्ट्रेट ने दो आदतन अपराधियों को किया जिला बदर

मुरैना (निप्र)। जिला मजिस्ट्रेट मुरैना श्री लोकेश कुमार जागिड़ ने पुलिस अधीक्षक श्री धर्मराज मीणा के प्रस्ताव पर कार्यवाही करते हुए दो आदतन अपराधियों को जिला बदर करने के आदेश जारी किए हैं। इन दोनों व्यक्तियों के विरुद्ध जिले के विभिन्न थानों में अनेक अपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा यह कार्यवाही मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अभिनियम, 1990 की धारा 3 सहपटित धारा 5 एवं 6 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए की गई है। जिला बदर किए गए अपराधियों में थाना सरायखोला अंतर्गत ग्राम जैतपुर निवासी 55 वर्षीय रामनिवास पुत्र हरिकर्ण गुर्जर तथा ग्राम केमरा निवासी 46 वर्षीय साहब सिंह पुत्र ब्रखभान सिंह गुर्जर शामिल हैं। लोक व्यवस्था एवं जनसुरक्षा बनाए रखने तथा इन व्यक्तियों की आपराधिक एवं असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट ने आदेशित किया है कि दोनों अपराधी आगामी एक वर्ष की अवधि तक जिला मुरैना सहित इसके निकटवर्ती जिलों—वावलियर, भिण्ड, श्योपुर एवं शिवपुरी—की सीमाओं से बाहर रहेंगे।

## ● निरीक्षण

कलेक्टर ने सानई गौशाला का किया निरीक्षण, बेहतर दुग्ध उत्पादन और स्वच्छ व्यवस्थाओं के लिए दिए निर्देश

## गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम

## बछड़ों के कार्टेडेशन और कृत्रिम गर्भाधान पर होगा विशेष फोकस



कृत्रिम गर्भाधान को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि बेहतर नस्ल संवर्धन एवं उन्नत प्रबंधन से दुग्ध उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे गौशालाओं के संचालन को और अधिक सुदृढ़ एवं आत्मनिर्भर बनाया जा सकेगा।

निरीक्षण के दौरान गौशाला प्रबंधन द्वारा बरसात के मौसम में जलभराव एवं कीचड़

की समस्या से बचाव के लिए तीन शेड निर्माण की आवश्यकता बताई। इस पर कलेक्टर की कन्याल ने संबंधित अधिकारियों को कार्ययोजना तैयार कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौवंश के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना प्राथमिकता है।

## गौशाला के समीप ही हरे चारे की पर्याप्त व्यवस्था

कलेक्टर ने गौशाला में उपलब्ध व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया। उन्होंने पाया कि गौशाला के समीप ही हरे चारे की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही भूसे एवं पेयजल की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित की गई है, जिससे वर्षभर गौशाला का संचालन सुचारु रूप से किया जा रहा है। उन्होंने गौशाला प्रबंधन करने वाले कर्मियों को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक दुबे, एसडीएम वांछोड़ा श्री रवि मालवीय, तहसीलदार श्री कमल मण्डलिया सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

## 4 लाख का लोन लेकर लगाई आईसक्रीम फैक्ट्री, अब 10 लाख से अधिक का टर्नओवर

श्योपुर (निप्र)। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन एवं सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद के निर्देशन में एनआरएलएम अंतर्गत संचालित स्वसहायता समूह से जुड़ी महिलाएं आजीविका मूलक गतिविधियों को अपनाकर आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। समूह से जुड़ने के बाद इन महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में बदलाव आ रहा है। ऐसी ही कहानी है 4 ग्रामीण महिलाओं की जो एनआरएलएम अंतर्गत संचालित देवकी स्वसहायता समूह से जुड़ी हुई हैं, इन महिलाओं को 1 लाख रुपये समूह के कम्प्यूटिड इन्वेस्टमेंट फंड तथा मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक कारहल से तीन लाख रुपये की सीसीएल राशि प्राप्त कर आदिवासी विकासखण्ड मुख्यालय कारहल में एक



आईसक्रीम फैक्ट्री स्थापित की, वर्ष 2022 में शुरू हुई इस फैक्ट्री में उन्होंने अपनी मेहनत और लनशीलता से इस गतिविधि को सफल बनाया है। आज उनका एक सीजन का कारोबार 10 से 15 लाख रुपये के बीच टर्नओवर कर रहा है।

माननीय प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री जी के आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश आत्मनिर्भर भारत के सपनों को साकार करने वाली इन उद्यमी महिलाओं ने आइसक्रीम यूनिट का संचालन कर यह

महसूस कराया है कि महिलाएं भी सफल उद्यमी बन सकती हैं। समूह की सदस्य श्रीमती रामश्री कुशवाह, श्रीमती श्रीवती कुशवाह, श्रीमती सटर कुशवाह एवं श्रीमती ज्योति कुशवाह ने समूह के माध्यम से इसकी शुरुआत की, लगभग 4 साल की मेहनत से इन्होंने इस सफलता को हासिल किया है और प्रत्येक वर्ष 4 से 6 माह के एक सीजन में 4 से 5 लाख रुपये का लाभ अर्जित कर रही हैं। संकुल नोडल श्रीमती सोनिया परिहार ने बताया कि समूह के माध्यम से स्थापित इस आजीविकामूलक गतिविधि से फैक्ट्री की स्थापना करने वाली महिलाओं को तो लाभ मिल ही रहा है, बल्कि इनके द्वारा दो दर्जन से अधिक ग्रामीण युवाओं को भी रोजगार के अवसर प्रदान किये हैं।

## ● पेयजल व्यवस्था एवं नगरीय निकायों के कार्यों की हुई समीक्षा

## सभी नगरीय निकायों में वर्षा पूर्व नालों की सफाई कराई जाए: अर्पित वर्मा

शिवपुरी (निप्र)। बैटक में दिए सख्त निर्देशकलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने समस्त नगरीय निकायों के सीएमओ को वर्षा पूर्व सभी नालों की सफाई करने के निर्देश दिए हैं। यदि कहीं अतिक्रमण है, तो अतिक्रमण हटाया जाए। कहीं भी कोई नया निर्माण अतिक्रमण करके ना किया जाए।

सभी सीएमओ यह सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्टर सभाकक्ष में जिले के नगरीय निकायों के अध्यक्षों एवं समस्त मुख्य नगरपालिका अधिकारियों के साथ बैठक संपन्न हुई। बैठक में नगरीय निकायों में पेयजल की स्थिति, जल गंगा संवर्धन अभियान, प्रधानमंत्री आवास योजना, अमृत 2.0 और मानसून की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। गुणवत्ता और भौतिक सत्यापनकलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देशित किया कि निकाय स्तर पर होने वाले समस्त विकास कार्यों का अधिकारी स्वयं भौतिक सत्यापन करें। कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करना सीएमओ की व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी। जर्जर इमारतों का चिन्हकनकलेक्टर श्री वर्मा ने नागरिकों की सुरक्षा



के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि नगरीय सीमा के अंतर्गत स्थित सभी जर्जर भवनों का तत्काल चिन्हकन किया जाए। ऐसी इमारतों को चिन्हित कर उन्हें हटाने या सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। यातायात व्यवस्था और समन्वयकलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि सुगम यातायात के लिए नगरपालिका और यातायात पुलिस आपसी समन्वय के साथ काम करें।

## शासकीय उचित मूल्य दुकानों पर अनियमितता मिलने पर हुई कार्यवाही

दतिया (निप्र)। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री लोकेन्द्र सिंह सरल द्वारा दतिया जिले में स्थापित विभिन्न शासकीय उचित मूल्य की दुकानों की जांच की गई। शासकीय उचित मूल्य दुकानों के निरीक्षण में गंभीर अनियमितताएं, राशन सामग्री के स्टॉक में भारी अंतर एवं वितरण में गड़बड़ियां पाए जाने पर कार्यवाही गई है।

अनुविभागीय अधिकारी द्वारा जिन शासकीय उचित मूल्य की दुकानों पर कार्यवाही की गई उनमें बड़ौनी वाई क्रमांक 04 एवं 15 की शासकीय उचित मूल्य दुकान (कोड 704023) में विक्रेता श्रीमती नीरज दुबे एवं सहायक विक्रेता नवनीत दुबे के कार्यकाल से संबंधित जांच में गेहूँ, चावल, नमक एवं शक्कर की कुल 103.90 क्विंटल सामग्री कम पाई गई।

साथ ही कई हितग्राहियों ने आरोप लगाया कि उन्हें निर्धारित मात्रा से कम राशन दिया जाता था तथा शक्कर का वितरण नियमित रूप से नहीं किया जाता था। इस संबंध में दोनों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

## खिलाड़ियों को नशे से दूरी हेतु किया जागृत

भिण्ड (निप्र)। म.प्र. खेल और युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर भिण्ड एवं पुलिस अधीक्षक भिण्ड के मार्गदर्शन में आयोजित श्रीभक्तानी खेल प्रशिक्षण शिविर 'आरोह' वर्ष 2026 के 30 वें दिन संचालक किशोरी स्पोर्ट्स क्लब प्रशिक्षक एवं प्रेरक तथा प्रशिक्षक मार्शल आर्ट्स सुश्री सत्या तोमर ने प्रातः शिविर में उपस्थित होकर समस्त प्रशिक्षकों एवं प्रशिक्षणार्थियों से परिचय प्राप्त किया और उन्हें नशे से दूरी बनाने हेतु खिलाड़ियों को बताया कि मादक पदार्थों (सिगरेट, बीड़ी, तंबाकू, गुटखा, शराब इत्यादि) से दूरी बनाने के साथ-साथ आज के समय में प्रचलित मोबाइल को चलाने, ड्रट बोलने, अभद्र भाषा/व्यवहार भी एक प्रकार का नशा है, हे,



इसलिये हमें खासकर इन चीजों से दूरी बनाना चाहिए। इसी प्रकार विकासखण्ड अंटेर में श्री क्षत्रपाल सिंह तोमर के द्वारा किया गया और संचालित प्रशिक्षण शिविर का निरीक्षण थाना प्रभारी अंटेर खो-खो, एथलेटिक्स एवं व्हालीवाल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षणार्थियों से परिचय प्राप्त किया और उन्हें खेल की बारीकियों से अवगत कराया।

## ग्राम पंचायत मसूरी में तालाब गहरीकरण व सौंदर्यीकरण हेतु किया गया श्रमदान

भिण्ड (निप्र)। जल संरक्षण शक्ति प्रदान करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के तहत जनपद पंचायत अंटेर की ग्राम पंचायत मसूरी में आज बड़े स्तर पर तालाब गहरीकरण एवं सौंदर्यीकरण हेतु जन सहयोग से श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर भिण्ड व सीईओ जिला



पंचायत भिण्ड ने भी भाग लिया और उत्साह के साथ श्रमदान कर

स्थानीय लोगों को प्रोत्साहित किया। कलेक्टर ने बताया कि तालाब गहरीकरण से जल संधारण क्षमता बढ़ेगी, भूजल स्तर सुधरेगा तथा सूखे के समय पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। साथ ही सौंदर्यीकरण से ग्राम का पर्यावरण व स्थानीय पर्यटन संवर्धन होगा। सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि यह सक्रिय भागीदारी सतत विकास

के लिए आवश्यक है और प्रशासन जनभागीदारी से गांवों में जल संधारण की कई परियोजनाएँ तेजी से लागू कर रहा है। कार्यक्रम में ग्राम वासियों ने बड़-चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रशासन ने ग्रामवासियों से निरंतर सहयोग की अपील की है ताकि जल संसाधनों का दीर्घकालिक संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

## आधुनिक तकनीक से खेती बनी मुनाफे का सौदा

● कलेक्टर ने प्रगतिशील किसान के नवाचारों को सराहा



गुना (निप्र)। कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल ने बुधवार को चाचौड़ा विकासखंड के कृषि एवं उद्यानिकी नवाचारों का निरीक्षण कर किसानों को आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम पीपलखेड़ी में कृष्णा स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित 'एक बगिया मां के नाम' अभियान अंतर्गत विकसित 100 थाई पिक अमरूद पौधों की बगिया का अवलोकन किया। बगिया की तार फेंसिंग एवं रखरखाव व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए उन्होंने इसकी सराहना की। विशेष बात यह है कि थाई पिक अमरूद के पौधे कम समय में फल देना प्रारंभ कर देते हैं, जिससे किसानों को शीघ्र आर्थिक लाभ प्राप्त होता है। इसके उपरांत कलेक्टर श्री कन्याल ने कुंभराज तहसील अंतर्गत ग्राम बड़ौद पहुंचकर प्रगतिशील उद्यानिकी किसान श्री

गोविंद मीणा के खेत का भ्रमण किया तथा उनके द्वारा अपनाई जा रही आधुनिक सब्जी खेती एवं कृषि नवाचारों का अवलोकन किया। श्री गोविंद मीणा द्वारा लगभग 3.50 एकड़ क्षेत्र में टमाटर, टिंडा एवं खीरे की उन्नत खेती ड्रिप सिंचाई, मल्टिचिंग एवं स्टीकिंग तकनीक के माध्यम से की जा रही है। आधुनिक तकनीकों के उपयोग से वे प्रति एकड़ लगभग 3.50 से 4 लाख रुपये तक का शुद्ध लाभ अर्जित कर रहे हैं, जो क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने किसान द्वारा विकसित एक अभिनव टैक्टर चलित मशीन का भी निरीक्षण किया। यह मशीन एक साथ मल्टिचिंग बिछाने, बंड निर्माण एवं ड्रिप लाइन बिछाने का कार्य करती है। किसान के इस नवाचार को भारत सरकार से पेटेंट भी प्राप्त हो चुका है।



## मुरैना में मनाया गया 'हीट एक्शन डे' लू एवं भीषण गर्मी से बचाव के लिए आवश्यक निर्देश

मुरैना (निप्र)। राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को जिला मुख्यालय मुरैना में 'हीट एक्शन डे' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पदमेश उपाध्याय ने की। जिला कार्यालय सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बढ़ते तापमान, भीषण गर्मी एवं लू (हीट वेव) के दुष्प्रभावों से आमजन को सुरक्षित रखने तथा स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों की समीक्षा करना था। सीएमएचओ डॉ. पदमेश उपाध्याय ने कहा कि जिले में लगातार तापमान में वृद्धि हो रही है, जिससे जनस्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ऐसी परिस्थितियों में हीट स्ट्रोक के मामलों से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने कहा कि बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा अन्य संवेदनशील वर्गों को भीषण गर्मी से सुरक्षित रखना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं जिला चिकित्सालय में लू से प्रभावित मरीजों के लिए विशेष बेड आरक्षित किए जाएं।

आमजन के लिए स्वास्थ्य सलाह अस्पतालों में कूलर, पंखे एवं शीतल पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी स्वास्थ्य संस्थानों में ओआरएस पैकेट, जीवन रक्षक दवाइयों एवं आईवी फ्लूइड्स की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखी जाए। आशा कार्यकर्ता, एनएमए एवं अन्य मैदानी स्वास्थ्य कर्मी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को लू से बचाव के उपायों की जानकारी दें। आमजन के लिए स्वास्थ्य सलाह वया करें पर्याप्त मात्रा में पानी, ओआरएस, छाछ एवं नींबू पानी का सेवन करें। बाहर निकलते समय सिर को टोपी, गमछे, सूती कपड़े या छाते से ढककर रखें। हल्के रंग के, ढीले एवं सूती वस्त्र पहनें। धूप में निकलने से पहले पर्याप्त भोजन एवं पानी का सेवन करें। वया न करें। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें। अत्यधिक चाय, कॉफी एवं कैफीन युक्त पेय पदार्थों का सेवन न करें। बच्चों, बुजुर्गों एवं पालतू पशुओं को बंद वाहनों में अकेला न छोड़ें। तेज धूप में अत्यधिक शारीरिक श्रम करने से बचें।

## स्वच्छ गांव स्वच्छ जलवायु अभियान अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

स्वच्छता साधियों को परिचय पत्र प्रदान किये



श्योपुर (निप्र)। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं के आयोजन के पूर्व स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु अभियान स्थलों की पहचान वृक्षारोपण-"एक पेड़ मां के नाम" जल संरक्षण तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिये निर्मित आधोसंरचनाओं का सत्यापन व विशेष ध्यान दिया जाएगा। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद द्वारा जारी

निर्देशों के परिपालन में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम लागू हो गये हैं जिसके अंतर्गत घर-घर कचरा संग्रहण, सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, पुराने ड्रिपिंग स्थलों की पहचान वृक्षारोपण-"एक पेड़ मां के नाम" जल संरक्षण तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिये निर्मित आधोसंरचनाओं का सत्यापन व विशेष ध्यान दिया जाएगा। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद द्वारा जारी

की भागीदारी से "मेरा गांव-मेरी जिम्मेदारी" की भी शपथ दिलाई जायेगी। उक्त निर्देशों के क्रम में विजयपुर विकासखण्ड की ग्राम पंचायत में अभियान के शुभारंभ दिन "क्लाइमेट एक्शन" थीम पर मिशन लाइफ (लाइफस्टाइल फॉर इन्वायरमेंट) के प्रति ग्रामीण क्षेत्रों में जन-जागरूकता एवं जन-भागीदारी को सुनिश्चित किये जाने के उद्देश्य से गतिविधियां आयोजित की गईं। गतिविधियों के अंतर्गत घर-घर कचरा संग्रहण, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, संपूर्ण स्वच्छता एवं ओडीएफ प्लस मॉडल ग्रामों की अवधारणा के अनुरूप परिस्परितियों की स्वच्छता, उचित संचालन एवं रखरखाव को सुनिश्चित किये जाने हेतु समुदाय में व्यवहारागत स्थायित्व को मजबूत करने के लिए कार्य किये गये।

# सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों को दें सघनता: राज्यपाल श्री पटेल

## प्रत्येक मंगलवार को आंगनवाड़ी केन्द्र में सिकल सेल की जानकारी दें



भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा की 19 जून को विश्व सिकल सेल दिवस है। उन्होंने लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और आयुष विभाग को विश्व सिकल सेल दिवस के तारतम्य में सिकल सेल उन्मूलन गतिविधियों को सघनता के साथ संचालित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि स्क्रीनिंग, उपचार, कार्ड और दवा वितरण प्रयासों के साथ ही रोग की जागरूकता के कार्यक्रम भी आयोजित किये जाने चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल

उन्मूलन के संकल्प को पूरा करने तक हमें थकना और रुकना नहीं है। इसलिए उन्मूलन और उपचार की नियमितता की जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र में विशेष निगरानी की जाना जरूरी है। राज्यपाल श्री पटेल गुरुवार को लोक भवन में लोक स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और आयुष विभाग के साथ चर्चा कर रहे थे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल और आयुष मंत्री श्री इंद्र सिंह परमार भी मौजूद थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने प्रत्येक मंगलवार को आंगनवाड़ी केन्द्र में माता और बच्चों

को सिकल सेल एनीमिया के कारण, लक्षण और उपचार से संबंधित जानकारी प्रदान करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने स्वास्थ्य और आयुष विभाग के सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों पर जिलेवार चर्चा की। राज्यपाल श्री पटेल को स्वास्थ्य विभाग द्वारा सिकल सेल प्रयासों पर जिलेवार जानकारी दी गई। विस्तार से जिलेवार जानकारी दी गई। आयुष विभाग द्वारा भी जिलेवार दवाइयों वितरण, परामर्श, उपचार और रोगियों से सतत संवाद के द्वारा उपचार गतिविधियों की जानकारी दी गई। राज्यपाल श्री पटेल ने

आयुष विभाग को सिकल सेल उपचार प्रयासों का रोगियों से फीडबैक प्राप्त करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि राज्य सरकार, सिकल सेल उन्मूलन के लिए संकल्पित है। मध्य प्रदेश सिकल सेल उन्मूलन के राष्ट्रीय स्तर के प्रयासों में अग्रणी है। यह संबंधित विभागों द्वारा सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों की सही दिशा में सार्थक कार्यों का परिणाम है। उन्होंने स्वास्थ्य और आयुष विभाग के सिकल सेल उन्मूलन कार्यों और गतिविधियों की सराहना की। सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों से जुड़े सभी वरिष्ठ अधिकारियों सहित मैदानी अमले को बधाई दी। राज्यपाल को अपर मुख्य सचिव श्री अशोक कुमार वर्णवाल ने विश्व सिकल सेल दिवस पर खंडवा जिले में प्रस्तावित कार्यक्रम के संबंध में अवगत कराया।

बैठक में जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री दीपक खंडेकर, राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, आयुष विभाग के प्रमुख सचिव श्री शोभित जैन, जनजातीय प्रकोष्ठ की सचिव श्रीमती मीनाक्षी सिंह, लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण एवं आयुष विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और लोक भवन के अधिकारी मौजूद थे।

# निगम बिल्डिंग की लिफ्ट में फंसी महिला

## सेकंड फ्लोर पर 20 मिनट तक फंसी रही, ऑटो रेस्क्यू बैकअप सिस्टम नहीं



### लोगों ने गेट खोलने की कोशिश की

नगर निगम की बिजली शाखा के कार्यपालन यंत्री आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि जब तकनीकी टीम मौके पर पहुंची, तब कुछ लोग चाबी और पेचकस की मदद से लिफ्ट का गेट खोलने का प्रयास कर रहे थे। टीम ने उन्हें रोका और लिफ्ट सिस्टम को रीसेट किया इसके बाद लगभग 10 मिनट में महिला कर्मचारी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बाहर आने के बाद वह काफी घबराई हुई दिखाई दी।

### सुरक्षा इंतजामों पर उठे सवाल

अधिकारियों के मुताबिक लिफ्ट में कोई तकनीकी खराबी नहीं थी, लेकिन बिजली बंद होने के कारण वह रुक गई थी। घटना के बाद करोड़ों रूपए की लागत से बने नए निगम मुख्यालय की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। कर्मचारियों और नागरिकों का कहना है कि जब भवन में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आते हैं, तो लिफ्ट में ऑटो बैकअप या ऑटो रेस्क्यू सिस्टम जैसी जरूरी सुविधाएं होना चाहिए थीं।

## 16 जून से 15 अगस्त तक मत्स्याखेट पर प्रतिबंध, नदियों से असंबद्ध छोटे तालाबों को छूट

### नदियों और उससे जुड़े जलाशयों में मछली पकड़ने पर रोक, उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में मछलियों के प्राकृतिक प्रजनन को बढ़ावा देने और जलीय पारिस्थितिकी के संरक्षण के लिए 16 जून से 15 अगस्त 2026 तक की अवधि को बंद ऋतु (क्लोज सीजन) घोषित किया गया है। इन दो महीने की अवधि में प्रदेश की समस्त नदियों और उनसे जुड़े जलाशयों में मत्स्याखेट पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। गुरुवार को संचालनालय मत्स्योद्योग ने इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इस अवधि में यदि कोई भी व्यक्ति नियमों का उल्लंघन कर अवैध रूप से मत्स्याखेट या परिवहन करते हुए पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिबंध से ऐसे छोटे तालाब या अन्य जल स्रोत जिनका किसी भी नदी से कोई संबंध नहीं है और जिन्हें निर्दिष्ट जल की परिभाषा के अंतर्गत नहीं लाया गया है, उन पर यह नियम लागू नहीं होगा। इन निजी या स्थानीय छोटे तालाबों में सामान्य दिनों की तरह मत्स्य पालन और आखेट किया जा सकेगा। मछुआ समुदाय को समय रहते जानकारी मिलने से मछुआरे अनजाने में होने वाली किसी भी परेशानी से बच सकेंगे और नियमों का पालन कर प्राकृतिक रूप से मत्स्य बीज उत्पादन में सहयोग कर सकेंगे।

## मप्र में शिक्षकों व कर्मचारियों के स्थानांतरण आवेदन 3 से 8 जून तक

भोपाल (नप्र)। राज्य शासन की स्थानांतरण नीति 2026-27 के तहत जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग ने स्थानांतरण आवेदनों के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार स्वेच्छिक स्थानांतरण के आवेदन 3 जून से 8 जून तक 11-11 फॉर्म पोर्टल पर ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। आवेदक स्थानांतरण के लिए अधिकतम 15 कार्यालयों/संस्थाओं का चयन कर सकेंगे। आवेदन में दर्शाए गए कारणों के समर्थन में आवश्यक दस्तावेज पीडीएफ स्वरूप में अपलोड करना अनिवार्य होगा, जिनका आकार अधिकतम 2 एमबी निर्धारित किया गया है। एक बार आवेदन सबमिट होने के बाद उसमें किसी प्रकार का संशोधन नहीं किया जा सकेगा। विभाग ने यह स्पष्ट किया है कि आवेदन में गलत जानकारी देने या सत्यापन में अनिर्णयिता पाए जाने पर संबंधित कर्मचारी एवं सत्यापन अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। पोर्टल पर प्रदर्शित रिक्तियां अस्थायी (टेम्पेटिव) होंगी और समय-समय पर अपडेट की जा सकेंगी। माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षकों के स्थानांतरण केवल उनके विषय की रिक्तियों पर ही किए जाएंगे। वहीं प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षक संवर्ग के प्रशासनिक एवं स्वेच्छिक स्थानांतरण परीक्षा अवधि के दौरान नहीं किए जाएंगे। जिला अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे 5 जून 2026 तक ई-एचआरएमएस पोर्टल पर सभी रिक्त पदों की सही जानकारी दर्ज एवं सत्यापित करें। रिक्तियों की एंट्री और सत्यापन की जिम्मेदारी संबंधित कार्यालय प्रमुख, डीडीओ एवं ऑफिस एडमिन की होगी। केवल ऑनलाइन आवेदन करने मात्र से स्थानांतरण का अधिकार सुनिश्चित नहीं होगा। आवेदनों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अंतिम निर्णय मुख्यालय स्तर पर लिया जाएगा और इस संबंध में शासन का निर्णय अंतिम माना जाएगा। यह आदेश प्रदेश के जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा शिक्षकों पर लागू होगा।

## नगरीय निकायों एवं पंचायतों की मतदाता सूची में नाम जोड़ने- काटने के लिये पहली बार ऑनलाइन आवेदन की सुविधा

भोपाल (नप्र)। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री मनोज श्रीवास्तव ने बताया है कि प्रदेश में पहली बार नगरीय निकायों एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान मतदाताओं को नाम जोड़ने, कटवाने और नाम संशोधन के लिये ऑनलाइन सुविधा दी गयी। इस सुविधा का लाभ लेते हुए कुल 8317 आवेदकों ने ऑनलाइन आवेदन किया। इनमें से नगरीय निकायों में 1496 और पंचायतों में 6848 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए। नगरीय निकायों में 675 ऑनलाइन आवेदन नाम जोड़ने, 770 नाम कटवाने और 24 आवेदन नाम में संशोधन के लिये प्राप्त हुए हैं। वहीं त्रि-स्तरीय पंचायतों में 1701 आवेदन नाम जोड़ने, 4960 नाम कटवाने और 187 आवेदन नाम में संशोधन के लिये प्राप्त हुए हैं।



# वंदे मातरम् विवाद में कांग्रेस पार्षद की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

इंदौर। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' नहीं गाने और उससे जुड़े विवादित बयान के मामले में कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख अलीम को बड़ा कानूनी झटका लगा। इंदौर जिला एवं सत्र न्यायालय ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। मामले की सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की ओर से विस्तृत बहस हुई, जिसके बाद न्यायालय ने यह आदेश पारित किया।

लोक अभियोजन अभिजीत सिंह राठौर ने बताया कि फौजिया शेख अलीम ने 3 जून को अग्रिम जमानत याचिका प्रस्तुत की थी। सुनवाई के दौरान उनके पक्ष में तर्क दिया गया कि वे पिछले 20 वर्षों से जनप्रतिनिधि हैं, कांग्रेस की

सक्रिय सदस्य हैं तथा एलएलबी की छात्रा भी हैं। वहीं अभियोजन पक्ष ने न्यायालय के समक्ष एक पेन ड्राइव प्रस्तुत की, जिसमें पार्षद का कथित बयान होने का दावा किया गया। अभियोजन के अनुसार उक्त बयान में वंदे मातरम् गाने को लेकर धार्मिक आधार पर आपत्ति जताई गई थी, जिसे मामले का महत्वपूर्ण साक्ष्य माना गया। न्यायालय ने याचिका निरस्त करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि प्रकरण सात वर्ष से कम सजा वाले अपराध की श्रेणी में आता है। ऐसे में पुलिस को विधि सम्मत प्रक्रिया का पालन करते हुए ही आगे की कार्रवाई करनी होगी।

**न्यायालय ने कहा, कानून के अनुसार ही होगी आगे की कार्रवाई**



मुख्यमंत्री से वर्ष 2026 के लिए पुरातत्व विज्ञान क्षेत्र में पद्यश्री से सम्मानित डॉ. नारायण व्यास ने सौजन्य भेंट की।

## 'मां आपने मेरी जान ले ली ली' ख्याति जैन की मौत के बाद भी रहस्यमयी है ये मेसेज, मौत से पहले तीन घंटे तक रहा था वॉयफ़ेंड



### कई अहम सबूत हो सकते हैं खत्म

परिवार का कहना है कि यदि शुरुआती स्तर पर सही तरीके से जांच नहीं हुई तो कई अहम सबूत खत्म हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक पुलिस को घटनास्थल और मोबाइल चैट से कुछ अहम जानकारियां मिली हैं, लेकिन पुलिस अधिकारी फिलहाल खुलकर कुछ भी कहने से बच रहे हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट, कॉल डिटेल्स और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

मेसेज मिले हैं, जिन्होंने पूरे मामले को और अधिक रहस्यमय बना दिया है। एक मेसेज में कथित तौर पर लिखा था कि मां आपने मेरी जान ले ली ली। इस संदेश के बाद परिवार का दावा है कि मामला सामान्य आत्महत्या का नहीं हो सकता और इसमें मानसिक दबाव, ब्लैकमेलिंग या किसी साजिश की भी जांच होनी चाहिए।

## स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास कार्य समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं: उप मुख्यमंत्री शुवल

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने मंत्रालय में स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास कार्यों की वृद्ध समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं एवं उनकी सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि निर्माण कार्यों के साथ-साथ फर्नीचर, उपकरण एवं मानव संसाधन (एचआर) की समय पर व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए, ताकि स्वास्थ्य संस्थानों में शीघ्र स्वास्थ्य सेवाओं का प्रदाय प्रारंभ किया जा सके। उन्होंने ऐसे कार्यों के प्रस्ताव, जिनमें कार्यस्थल के अनुसार परिवर्तन अथवा कार्य में वृद्धि की आवश्यकता है, शीघ्र अग्रोपित करने के निर्देश दिए और कहा कि उनकी स्वीकृति के लिए प्राथमिकता से कार्यवाही की जाए।

आयुक्त लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री धनराज एस ने बताया कि स्वास्थ्य संस्थानों के निर्माण के साथ ही फर्नीचर, उपकरणों एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं तथा मानवचरों की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा रही है, जिससे संस्थानों के



संचालन में किसी प्रकार की विलंब की स्थिति न बने। बैठक में बताया गया कि पीआईयू द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), बीपीएचयू, सीसीएचबी, औषधालय सहित अन्य स्वास्थ्य संस्थानों के कुल 137 निर्माण कार्य वर्ष 2026-27 में किए जा रहे हैं। इनमें से 45 स्वास्थ्य

संस्थानों के निर्माण कार्य पूर्ण हो चुके हैं। जून माह के अंत तक 7 अतिरिक्त स्वास्थ्य संस्थानों का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। द्वितीय तिमाही में 28, तृतीय तिमाही में 33 तथा वित्तीय वर्ष के अंत तक 13 स्वास्थ्य संस्थानों के निर्माण कार्य पूर्ण होने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बैठक में पीआईयू के अधिकारी उपस्थित थे।

### प्रेमी के साथ घर छोड़कर गई तलाकशुदा बेटी

## पिता ने बेटों के साथ मिलकर गला दबाकर हत्या कर दी

ने जूली गुर्जर को दस्तयाब किया था और उसे परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया था।

मुर्ना निवासी रोहित गुर्जर के साथ थे

संबंध- बताया गया है कि जूली गुर्जर के मुर्ना निवासी

रोहित गुर्जर के साथ थे

संबंध थे। वह रोहित गुर्जर के साथ ही घर से

चली गई थी। यह बात जूली के पिता मंगेश को

नागवार गुजर। इसलिफ

उन्होंने बेटी के घर वापस लौटने पर अपने बेटे दीपू,

छिद्रा एवं अन्य परिजनों के साथ मिलकर अपनी तलाकशुदा बेटी जूली गुर्जर का गला दबाकर हत्या कर दी।

शव को जलाकर अस्थियों को जमीन में

दफना दिया- परिवार के लोग खेत में उसके शव को

ले गए। साथ ही खेत के किनारे उसके शव को जला

दिया और उसकी अस्थियों को जमीन में दफना दिया

था। बुधवार की रात को पुलिस को जानकारी मिली थी

कि जिस महिला को पुलिस ने दस्तयाब किया था, वह

दिखाई नहीं दे रही है।

प्रेमी के साथ भागने की वजह से नाराज थे

परिजन- ग्वालियर पुलिस ने इस मामले में जांच की

और पिता को गिराफ्तार में लिया। पिता ने बताया कि

उसने बेटी की हत्या दबाकर हत्या कर दी है। फिलहाल

पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। साथ ही

खेत से अस्थी को बरामद कर दिया।